www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 90 || लखनऊ
मंगलवार
30 जून 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:15
सूर्यास्तः 07:04
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07

विशेष समाचार | आज बेटियां बेटों से आगे बढ़कर... » पेज 04 | 60 हजार के बिजली के तार.... » पेज 06 | जैसे सबका डेब्यू हुआ, वैभव...

बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ भी होगा ■ सीएम योगी का अखिलेश पर सीधा हमला

साइकिल चलेगी तो दंगा करवाएगी : सीएम योगी

पीलीभीत पहुंचे सीएम योगी ने अखिलेश यादव को निशाने पर लिया। सीएम योगी ने कहा, साइकिल चलेगी तो दंगा करवाएगी। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ भी होगा। सीएम योगी ने कहा, 'कांग्रेस के पाप के कारण बांग्लादेश बना।

तमसा संकेत, एजेंसी

पीलीभीत। यूपी के पीलीभीत पहुंचे सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी ने कहा कि देश का विभाजन कांग्रेस की गलतियों का परिणाम था और यदि उस समय नेतृत्व दृढ़ रहता तो विभाजन टाला जा सकता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 56 वर्ष पहले बांग्लादेश से निकाले गए प्रताड़ित हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख समुदाय के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप नागरिकता और पुनर्वास की सुविधा मिल रही है, जिसके लिए सभी को बधाई। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए पुनर्जीवन जैसा है।

अखिलेश यादव को निशाने पर लेते हुए सीएम योगी ने कहा, साइकिल चलेगी तो दंगा करवाएगी।

» (शेष पेज 06 पर)

आतंकवादियों को संरक्षण देती थी सपा

समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया, 'उसके शासनकाल में अपराध और अराजकता को बढ़ावा मिला, जबकि वर्तमान सरकार रक्षा उत्पादन और विकास को आगे बढ़ा रही है।' उन्होंने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि साइकिल चलेगी तो दंगा कराएगी, गुंडागर्दी कराएगी, निषेधाज्ञा लगवाएगी और बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ होगा। योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया, 'उनके (सपा) शासन में पूरा विकास सिर्फ सैफई तक सीमित था।' योगी ने उन पर आतंकवादियों को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब माफिया गले में तख्ती लगाए घूम रहा है कि मुझे शरण में ले लो। उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में 'नो कर्फ्यू, नो दंगा, सब कुछ चंगा' है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाजन के दौरान लाखों हिंदुओं की हत्या हुई और लाखों लोगों को अपनी पैतृक भूमि छोड़नी पड़ी।

कांग्रेस और सपा ने गरीबों को उनके हक से वंचित रखा

सीएम योगी ने कहा- दशकों से अपने अधिकारों का इंतजार कर रहे हजारों परिवारों को अब न्याय मिल रहा है। 56 वर्ष पहले तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) से प्रताड़ित होकर आए हिंदू, बौद्ध, सिख और जैन परिवारों के पुनर्वास और नागरिकता का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संभव हो सका है।

अब किसी भी ताकत के लिए इन परिवारों को यहां से हटाना या उन्हें पराया कहना संभव नहीं होगा। अब उन्हें पुलिस, राजस्व विभाग, वन विभाग या किसी अन्य सरकारी तंत्र की प्रताड़ना नहीं झेलनी पड़ेगी।

देश के विभाजन के बाद प्रताड़ित होकर आए लोगों की चिंता किसी ने नहीं की।

सपा और कांग्रेस को केवल मुसलमानों की चिंता थी

सीएम योगी ने कहा, ररस्वतंत्र भारत में उनकी यह अभिलाषा थी कि जिस आधार पर देश का विभाजन हुआ, उसी आधार पर उन्हें भारत में शरण और नागरिकता मिले। लेकिन कांग्रेस ने कभी उनकी सुध नहीं ली। समाजवादी पार्टी को भी कहां फुर्सत थी? उन्हें जब तुष्टीकरण से फुर्सत मिलती, तभी वे गरीबों, दलितों, पिछड़ों और वंचितों के बारे में सोचते।

इन लोगों को विभाजन के बाद भी केवल मुसलमानों की चिंता रही। हिंदुओं, सिखों, बौद्धों और जैनों की चिंता कभी नहीं की गई। मैं समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं से कहना चाहता हूं कि उन्हें शर्म आनी चाहिए।

जिन लोगों को आज आवासीय पट्टा, जमीन के मूल कागजात और नागरिकता प्रदान की जा रही है, उनमें अधिकांश दलित, वंचित और अति पिछड़े वर्ग के लोग हैं। आखिर इनके लिए कभी आवाज क्यों नहीं उठाई गई? इतने लंबे समय तक शासन करने के बावजूद उन्हें इन गरीबों की चिंता करने की फुर्सत नहीं मिली।

बबुआ के एजेंडे में विकास का मतलब सिर्फ सैफई है

सीएम योगी ने कहा- हमारा प्रयास है कि प्रदेश में ऐसे करीब 55 हजार परिवारों को उनका अधिकार मिले। पिछले दिनों मैं बाराबंकी जाकर वहां के परिवारों को नागरिकता और जमीन के अधिकार उपलब्ध कराकर आया। इसके बाद बिजनौर में भी बड़ी संख्या में लगभग 3500 परिवारों को अधिकार दिए गए। वन विभाग और भारत सरकार से स्वीकृति मिलते ही अन्य वंचित परिवारों को भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अखिलेश पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा- बबुआ के लिए विकास तो सिर्फ सैफई का विकास है। पीलीभीत उनके एजेंडे में कहां? पीलीभीत उनके एजेंडे में नहीं था, अगर एजेंडे में होता तो 4 बार सरकार होने पर मेडिकल कॉलेज बन गया होता, पीलीभीत की बांसुरी को पहचान मिल गई होती।

'राम मंदिर सरकार नहीं, संतों के पास रहे'

तमसा संकेत, एजेंसी, लखनऊ। श्रीपंचायती अखाड़ा निरंजनी (हरिद्वार) के पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज ने कहा कि श्रीराम मंदिर में अगर कोई गड़बड़ी हुई है तो दोषियों की बख्शा नहीं जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रहते श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े किसी भी मामले की सच्चाई सामने आएगी। कैलाशानंद गिरि बीते दिनों निजी दौरे पर लखनऊ पहुंचे। यहां उनसे संवददाता से बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने श्रीराम मंदिर ट्रस्ट की जवाबदेही, मंदिर प्रबंधन, अलीगंज अग्निकांड के साथ सावन में शिव साधना पर भी विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीराम मंदिर सहित सभी प्रमुख मंदिर संतों के पास रहने चाहिए। हां, निगरानी सरकार करती रहे।

4 साल की मासूम के साथ हैवानियत

जंगल में मिली खून से लथपथ लाश

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे इलाके को सन्न कर दिया। महज 4 साल की एक मासूम बच्ची अपनी मां के साथ शादी के समारोह में गई थी, लेकिन रात में अचानक वो गायब हो गई। सुबह तलाशी के दौरान उसकी लास घर से मात्र 300 मीटर दूर जंगल के रास्ते में खून से लथपथ हालत में मिली। पुलिस प्रारंभिक जांच में बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या किए जाने की आशंका जता रही है।

यह दर्दनाक घटना जौनपुर के जफराबाद थाना क्षेत्र की है। बच्ची अपनी मां के साथ रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने गई थी। रात 11 से 12 बजे के बीच जब बच्ची अचानक परिवार के नजरों से ओझल हो गई तो परिवार वालों को लगा कि वह आसपास कहीं सो गई होगी।

» (शेष पेज 06 पर)

राममंदिर चोरी : 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

राम मंदिर चढ़ावा चोरी आरोपियों का केस कोई वकील नहीं लड़ेगा

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

- अयोध्या में वकीलों के संगठन फैजाबाद बार एसोसिएशन ने सर्वसमिति से यह फैसला लिया है।
- चढ़ावा चोरों के खिलाफ वकीलों में दिखा जबरदस्त आक्रोश

अयोध्या। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी में गिरफ्तार आरोपियों की कोई वकील पैरवी नहीं करेगा। अयोध्या में फैजाबाद बार एसोसिएशन से सर्वसमिति से यह फैसला किया है। बार ने सोमवार को इसे लेकर विशेष बैठक बुलाई और इसे लेकर प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। बार ने पूरे मामले में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और विनोद राय को भी दोषी मानते हुए उनके खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर जांच कराने और कड़ी नजर रखने के लिए शासन को पत्र भेजने का फैसला किया है।

बैठक को संबोधित करते हुए बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने कहा कि अधिवक्ता संघ ने निर्णय लिया है कि कोई भी अधिवक्ता आरोपियों की पैरवी न्यायालय में नहीं करेगा। अगर कोई आरोपियों की पैरवी करेगा तो उसे पांच लाख रुपया जुर्माना देना होगा। अगर वह जुर्माना जमा नहीं करेगा तो उसी दिन से उनकी सदस्यता समाप्त कर दी जाएगी।

» (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

यूपी के 15 शहरों में आंधी-बारिश

लखनऊ। यूपी में मानसून की एंट्री के लिए मौसम सिस्टम सक्रिय हो गया है। सोमवार तड़के लखनऊ, अयोध्या, गोंडा, गोरखपुर, बदायूं, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर और सिद्धार्थनगर समेत 15 जिलों में तेज बारिश हुई। मिर्जापुर में बारिश के बाद अंडरपास में करीब 3 फीट तक पानी भर गया, जिससे वाहन फंस गए। बस्ती और महराजगंज में बिजली गिरने से एक महिला और 9 साल के बच्चे की मौत हो गई।

अब खराब विजिबिलिटी में भी प्लेन सुरक्षित उतरेंगे

नई दिल्ली। अब खराब विजिबिलिटी में भी प्लेन सुरक्षित लैंड कर सकेंगे। क्योंकि, भारत में पहली बार किसी बड़े कॉमर्शियल जेट को ग्राउंड से रेडियो सिग्नल भेजे बिना सीधे सैटेलाइट सिग्नल्स की मदद से सुरक्षित उतारने का सफल ट्रायल कर लिया गया है। विमानन नियामक DGCA की देखरेख में 27 जून को इंडिगो एयरलाइंस के एयरबस A320 विमान ने स्वदेशी 'गगन' नेविगेशन सिस्टम का इस्तेमाल कर यह ऐतिहासिक लैंडिंग की। हालांकि इंडिगो ने 2022 में छोटे ATR विमानों पर इसका परीक्षण किया था, लेकिन बड़े कॉमर्शियल जेट के साथ देश में यह पहला सफल ट्रायल है।

10वीं में तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं होगी

नई दिल्ली। CBSE ने सोमवार को थ्री लैंग्वेज पॉलिसी पर नई गाइडलाइन जारी की। इसके मुताबिक, इस साल 10वीं में पढ़ रहे छात्रों को तीसरी भाषा की परीक्षा नहीं देनी होगी। 7वीं, 8वीं और 9वीं के वे छात्र, जिन्होंने पहले से दो विदेशी भाषाएं चुनी हैं, वे अपनी वही भाषाएं जारी रख सकेंगे। हालांकि, उन्हें इसके साथ एक भारतीय भाषा भी पढ़नी होगी। इन छात्रों को 10वीं में आने पर तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा नहीं देनी होगी। CBSE के इस फैसले से 50 लाख छात्र-छात्राओं को राहत मिली है।

एसी ब्लास्ट से 21वें फ्लोर पर भीषण आग

खिड़कियों से लपटें उठीं, 3 फ्लैट तक फैली

अफरातफरी

तमसा संकेत, एजेंसी

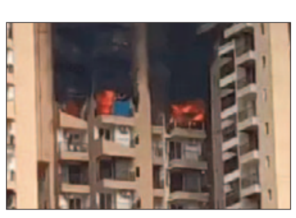

- बिल्डिंग से धुआं उठता देखकर सोसाइटी के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

नोएडा। नोएडा की एक बिल्डिंग में सोमवार सुबह करीब साढ़े 8 बजे भीषण आग लग गई। 21वें फ्लोर के एक फ्लैट में एसी ब्लास्ट के बाद लगी आग से अफरातफरी मच गई। आग देखकर फ्लोर के लोग भी चिल्लाते हुए नीचे भागे। नीचे के फ्लैटों में रहने वाले लोग चिल्लाने लगे, "फ्लोर खाली करो।"

उधर, खिड़कियों से आग की ऊंची-ऊंची लपटें बाहर निकलने लगीं और पूरा फ्लोर धुएं से भर गया। आसपास के लोग पाइप के जरिए आग बुझाने की कोशिश करने लगे। इसी बीच फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां भी मौके पर पहुंच गईं। लेकिन दमकल का पानी 13वीं मंजिल तक ही पहुंच पा रहा था। फायर फाइटर्स ने मोर्चा संभाला और लोगों की मदद से इमारत में लगे संसाधनों की सहायता से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। » (शेष पेज 06 पर)

कासगंज में ट्रेनी विमान हाईवे पर क्रैश

50 फीट की ऊंचाई पर हवा में डगमगाया ■ बिजली के तारों में उलझकर नीचे गिरा

"महिला प्रशिक्षु पायलट घायल"

जांच

- यूपी के कासगंज में पुलिस लाइन के पीछे एक ट्रेनी एयरक्राफ्ट दुर्घटनाग्रस्त हो गया. नियमित प्रशिक्षण उड़ान के दौरान हुए इस हादसे में महिला प्रशिक्षु पायलट घायल हो गईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद आगरा रेफर किया गया है. प्रशासन और संबंधित एजेंसियां विमान क्रैश के कारणों की जांच कर रही हैं.

तमसा संकेत, एजेंसी

कासगंज। यूपी के कासगंज में सोमवार दोपहर 3:30 बजे एक ट्रेनी विमान क्रैश हो गया। विमान उड़ा रही 27 साल की महिला ट्रेनी पायलट घायल हो गईं। हादसा पुलिस लाइन के पीछे 6-लेन हाईवे के पास हुआ। जिस वक्त विमान हवा में डगमगाया, वो करीब 50 फीट ऊपर था। » (शेष पेज 06 पर)

- विमान हाईवे के किनारे गिरा। हाईवे अभी बन ही रहा था, इसलिए कोई वाहन चपेट में नहीं आया।
- बताया कि हादसे में विमान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है।

अलीगढ़ की हवाई पट्टी से भरी थी उड़ान

अलीगढ़ में चेतक एविएशन कंपनी है, जो DGCA (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन) से मान्यता प्राप्त फ्लाइंग ट्रेनिंग अकादमी है। यहां पायलटों को ट्रेनिंग देने के लिए सेसना 172 और सेसना 152 जैसे विमान इस्तेमाल किए जाते हैं। » (शेष पेज 06 पर)

हाईवे पर गिरने से टला बड़ा हादसा

प्रशासन का कहना है कि एयरक्राफ्ट हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा। राहत की बात यह रही कि विमान निर्माणाधीन सिक्स-लेन हाईवे पर गिरा, जिससे आसपास मौजूद लोगों और गुजर रहे वाहनों को कोई नुकसान नहीं हुआ। फिलहाल पुलिस, प्रशासन और संबंधित विमानन एजेंसियां मामले की जांच में जुटी हैं।

हादसे के बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेरकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। दुर्घटनाग्रस्त एयरक्राफ्ट को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए।

एजेंडा : युवा नाराज हैं ■ सरकार बनी तो फेक एनकाउंटर की जांच कराएंगे

भाजपा के एजेंडे में सरकारी नौकरी नहीं : अखिलेश

तमसा संकेत, एजेंसी

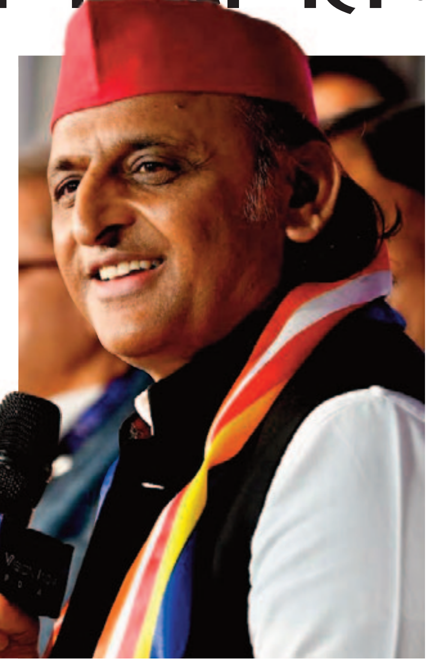

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव प्रयागराज में विजन इंडिया कार्यक्रम में शामिल हुए। विजन इंडिया कार्यक्रम में 'शिक्षा-परीक्षा- क्यों ध्वस्त हुई व्यवस्था' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षा बुनियाद है। जब किसी देश की शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली ध्वस्त हो जाती है तो युवाओं का भविष्य बर्बाद हो जाता है। शिक्षकों पर काम का अधिक बोझ, लगातार पेपर लीक, परीक्षाएं रद्द होने, बेरोजगारी बढ़ने से मानसिक तनाव बढ़ता है। जब परीक्षाएं नहीं हुई तो मानसिक तनाव के कारण बड़ी संख्या में लोगों ने आत्महत्या तक कर ली। जिससे परिवार के सामने संकट पैदा हुआ है। देखा जा रहा कि तमाम कोशिशों के बाद भी सरकारें पेपर लीक नहीं रोक पा रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि जब योग्यता की अनदेखी की जाती है तो देश की बड़ी आबादी की ताकत बन जाती है। दस साल पहले जब हम कहते थे कि डेमोग्रेफिक डेविडेंट में हम बहुत आगे है। हमारे छात्रों में बहुत ऊर्जा है। लेकिन वही ताकत आपदा में बदलती जा रही है। बढ़ती आबादी के नौजवानों को अगर सही शिक्षा और रोजगार नहीं दे पाए तो वह आपदा में बदल जाएगी। छात्र उम्मीद खोते जा रहे हैं। आज बड़ा सवाल है कि देश कैसे आगे बढ़ेगा। सरकार ने केजी से लेकर पीजी तक पूरी शिक्षा व्यवस्था को बीमार कर दिया है। सरकार हजारों सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है। »(शेष पेज 06 पर)

- अखिलेश यादव ने कहा कि जब योग्यता की अनदेखी की जाती है तो देश की बड़ी आबादी की ताकत एक बड़ी आपदा बन जाती है।

बाबा बर्फानी की अमरनाथ यात्रा से पहले पहली पूजा

उपराज्यपाल ने दर्शन किए, यात्रा 3 जुलाई से शुरू

श्रद्धा

तमसा संकेत, एजेंसी

- प्रशासन ने बेस अस्पताल शुरू किए
- यात्रा को लेकर सिक्योरिटी हाईअलर्ट पर

जम्मू-श्रीनगर। यात्रा शुरू होने के 3 दिन पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (SASB) के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा की।

इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी।

अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। » (शेष पेज 06 पर)

चिनहट के होम स्टे का पांचवां फ्लोर जला, विकासनगर में चप्पल की दुकान राख

लखनऊ में 2 बिल्डिंग में भड़की आग

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को 2 इलाकों में अलग-अलग बिल्डिंग में आग लग गई। पहली घटना सुबह 8 चिनहट के नंदी विहार में हुई। यहां AQS नाम की बिल्डिंग के पांचवें फ्लोर में आग लग गई। बिल्डिंग में होम स्टे चलता है। घटना के समय पार्टी कर रहे 3 युवक भाग गए और 3 फंसे हुए युवकों को फायर ब्रिगेड ने बचा लिया। दूसरी घटना विकासनगर में दोपहर करीब 12 बजे हुई। इसमें चप्पल की दुकान राख हो गई। चिनहट का होम स्टे संकरी गलियों में है, जिससे बिल्डिंग तक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां नहीं पहुंच सकीं। गोमतीनगर से दो और इंदिरानगर से एक फायर टेंडर मौके पर पहुंचे थे।

दमकलकर्मियों ने होज पाइप से बौछार कर करीब 30 मिनट में आग बुझा दी। वहीं, विकासनगर में कुर्सी रोड स्थित महावीर इंटर कॉलेज के सामने फुटवियर की दुकान में लगी आग को बुझाने के लिए 3 फायर स्टेशन से गाड़ियां पहुंच गईं। जब यहां आग लगी तो किसी ने बताया कि उस बिल्डिंग से धुआं उठ रहा है। मैंने डायल-112 पर कॉल किया। उसके बाद 5-6 गाड़ियां पुलिस, 2 गाड़ियां फायर ब्रिगेड और 1 एंबुलेंस आ गई। इसके अंदर आम लोगों को जाने की मनाही है। यहां फायर सेफ्टी का उपाय नहीं है।

किराये पर देकर पार्टियां कराई जाती हैं

चिनहट के स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस बिल्डिंग में आग लगी, वह रेजिडेंशियल है, लेकिन उसका इस्तेमाल कॉमर्शियल गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। आरोप है कि होम स्टे और कमरों को किराये पर देकर पार्टियां कराई जाती थीं। बताया जा रहा है कि होम स्टे तौकीर अहमद सिद्दीकी नामक व्यक्ति का है। आसपास के लोगों का आरोप है कि बिल्डिंग में लंबे समय से संदिग्ध और गलत गतिविधियां संचालित हो रही थीं। इसकी शिकायत कई बार पुलिस और LDA से की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

यहां रोजाना रात में लड़के-लड़कियां हो-हल्ला करते हैं

स्थानीय रामचंद्र गुप्ता ने कहा- यह बिल्डिंग रेजिडेंशियल थी। अब इसे हुक्का बार बना दिया है। रात के 9 बजे से 2 बजे तक 15-20 लड़के और इतनी लड़कियां यहां अय्याशी करते हैं। हो-हल्ला मचाते हैं। डीजे बजता है। तरह-तरह की लाइटें जलती हैं। हमारा यहां पर जीना दुश्वार हो गया है।

होम स्टे के सबसे ऊपरी हिस्से में एसी में शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। इस दौरान एक कमरा और एक हॉल जल गया। यहां कुछ लड़के पार्टी कर रहे थे।

विकासनगर इलाके में कुर्सी रोड पर महावीर इंटर कॉलेज के जूता-चप्पल की दुकान में आग लगी। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं फरियादें

समस्याओं के समाधान में लापरवाही न करने और त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने सरकारी आवास 5-कालिदास मार्ग पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी व्यक्तिगत, पारिवारिक और सार्वजनिक समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचे। मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी से संवाद कर उनकी शिकायतों और मांगों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को मामलों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण किया जाए और तय समयसीमा के भीतर उसका समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं।

नियमित निगरानी की जाए ताकि लोगों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राजस्व, पुलिस, चिकित्सा, सामाजिक कल्याण, आवास, पेंशन, भूमि विवाद और अन्य जनहित से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई की जाए।

किसानों ने लखनऊ मंडलायुक्त कार्यालय घेरा

बोले- 400 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिले, विधवा पेंशन बढ़ाई जाए

अधिकारी से किसानों ने कहा कि उनकी मांगों को गंभीरता से लिया जाए।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में सोमवार को नव भारतीय किसान संगठन के बैनर तले किसानों ने मंडलायुक्त कार्यालय का घेराव किया। किसानों ने अपनी 10 मांगों को लेकर शहीद स्मारक से मंडलायुक्त कार्यालय तक विरोध मार्च निकाला। वहां पहुंचने के बाद संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने एक अधिकारी को मंडलायुक्त के लिए ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनीष यादव ने कहा कि सरकार और

प्रशासन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए। किसानों को 400 यूनिट तक बिजली फ्री और 24 घंटे मिले। उनका पूरा कृषि ऋण माफ किया जाए। गन्ने का समर्थन मूल्य 600 रुपए प्रति क्विंटल किया जाए। विधवा पेंशन बढ़ाई जाए। किसान अपनी जिन चीजों के लिए संघर्ष करता रहता है, उसे अधिकारी नजरअंदाज करते हैं। यदि हमारी मांगों चेतावनी दी कि यदि मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो किसान विधानसभा का घेराव कर महाआंदोलन शुरू करेंगे। प्रदर्शनकारी किसानों ने संगठन ने विधवा पेंशन बढ़ाकर 5,000 रुपए प्रतिमाह किए जाने की मांग भी रखी। बख्शी का तालाब क्षेत्र में सरकारी जमीन पर कब्जों की जांच कर कार्रवाई की जाए। अवैध खनन और भू-माफियाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए। पहाड़पुर स्थित ग्लूकोज फैक्ट्री से प्रदूषण फैलाने के आरोपों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। आवारा पशुओं से फसलों का नुकसान रुकवाया जाए। इसके अलावा बख्शी का तालाब महिला थाने को नए भवन में स्थानांतरित करने, छठे मील स्थित निजी सब्जी मंडी को सरकारी भूमि खाली कराकर स्थानांतरित करने की मांग रखी।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुशल प्रबंधन से समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई परीक्षा, कुलपति को मिली बधाई

कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने सफल अभ्यर्थियों को दीं शुभकामनाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। बांदा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किए गए UPCATET-2026 का परीक्षा परिणाम आज घोषित कर दिया गया है। यह परिणाम आज प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही के हाथों उनके विधानसभा स्थित कार्यालय में बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति की उपस्थिति में जारी किया गया। इस अवसर पर उन्होंने परीक्षा में सफल होने वाले सभी अभ्यर्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही, उन्होंने पूरी शुचिता और पारदर्शी तरीके से परीक्षा का कुशल संचालन करने तथा समयबद्ध ढंग से परीक्षा परिणाम जारी करने के

लिए बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एसवीएस राजू और उनकी पूरी टीम को विशेष रूप से बधाई दी। इस वर्ष UPCATET-2026 का आयोजन बाँदा कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, बाँदा द्वारा सकुशल सम्पन्न कराया गया। इस बार प्रवेश परीक्षा प्रदेश के कुल 12 जनपदों में आगामी 17 एवं 18 जून को आयोजित की गयी थी। इसमें 17 जून को आयोजित हुई स्नातक (यूजी) प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 27 केंद्र तथा 18 जून को आयोजित हुई परास्नातक (पीजी), पीएचडी एवं एमबीए की प्रवेश परीक्षा के लिए कुल 18 केंद्र बनाए गए थे।

इस संयुक्त प्रवेश परीक्षा के सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार, परीक्षा के लिए कुल 18,827 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, जिसमें से 90 प्रतिशत यानी कुल 16,349 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे। इस उपस्थित संख्या में से कुल 14,802 अभ्यर्थियों ने सफलतापूर्वक परीक्षा

क्वालीफाई की है। सफल होने वाले कुल अभ्यर्थियों में 73 प्रतिशत पुरुष अभ्यर्थी तथा 27 प्रतिशत महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। विभिन्न स्तरों पर शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले मेधावियों का विवरण देते हुए बताया गया कि स्नातक (यूजी) स्तर पर कंकरखेड़ा, मेरठ की काव्य मसीह ने प्रथम स्थान हासिल किया है, जबकि कन्नौज की प्राची द्विवेदी ने द्वितीय और रामपुर के मोहम्मद कैफ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। परास्नातक (पीजी) स्तर पर बलिया के शिवम यादव ने प्रथम स्थान और उन्नाव की आस्था यादव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, पीएचडी स्तर पर मऊ के अमन सिंह ने प्रथम स्थान तथा मथुरा के अभिषेक गौतम ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय और अपने जिले का मान बढ़ाया है।

फास्ट न्यूज

बाइक से जा रही युवती से छेड़छाड़

लखनऊ। राजधानी की सड़क पर रात में बाइक से घर लौट रही लड़की से छेड़छाड़ की गई। शेयरिंग ऑटो में सवार 3 युवकों ने उस पर कॉमेंट किया। ऑटो रुकवाकर उसके कंधे पर हाथ रख दिया। इस दौरान उससे कहा- कहां जा रही है, चल। लड़की ने इसका विरोध किया तो वे फिर से ऑटो में बैठ गए। ऑटो चल दिया तो लड़की ने ड्राइवर से कहा- रुक जाओ। इन्हें यहीं उतारो।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले 3 गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ की साइबर क्राइम सेल टीम ने ऑनलाइन नौकरी दिलाने के नाम पर देशभर के बेरोजगार युवक-युवतियों से ठगी करने वाले तीन जालसाज को गिरफ्तार किया है। जालसाज फर्जी कॉल सेंटर खोलकर गिरोह चला रहे थे। पुलिस ने छह मोबाइल फोन, 14 सिम कार्ड, 10 डेबिट कार्ड, दो पासबुक, दो चेक बुक, एक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स कार, 213 फर्जी जॉब एग्रीमेंट, ज्वाइनिंग लेटर, कन्फर्मेशन लेटर, क्लाइंट डेटा शीट और अन्य दस्तावेज बरामद किए हैं। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध किरण यादव का कहना है।

भाई की मौत से आहत बहन ने सुसाइड किया

दुबग्गा। काकोरी थाना क्षेत्र में सोमवार को एक 19 वर्षीय युवती ने अपने घर के अंदर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। यह दुखद घटना उसके भाई की सड़क हादसे में मौत के कुछ ही दिनों बाद हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। मामले की छानबीन में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, रागिनी (19) पुत्री शिवमंगल निवासी ग्राम मंडोली ने घर के अंदर खड़ी मोटरसाइकिल पर चढ़कर दुपट्टे के सहारे छत के कुंडे से फंदा लगा लिया।

कानून व्यवस्था बिगड़ने, महंगाई और बेरोजगारी का आरोप, राज्यपाल को ज्ञापन भेजा

मोहनलालगंज तहसील के अंदर सपाइयों का प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज तहसील परिसर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, बिजली संकट बढ़ता जा रहा है और कानून-व्यवस्था बिगड़ रही है।

प्रदर्शन से पहले सैकड़ों कार्यकर्ता लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मार्च निकाला। प्रदर्शन में मोहनलाल-गंज सांसद आरके चौधरी, पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर, राम लखन यादव, विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधि

धरने को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि प्रदेश में महंगाई लगातार बढ़ रही है। पेट्रोल, डीजल, घरेलू गैस, खाद और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। उन्होंने किसानों को खाद-बीज के लिए हो रही परेशानी और युवाओं में बेरोजगारी और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से उपजी निराशा पर भी चिंता व्यक्त की।

उमाशंकर वर्मा सहित बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदर्शन के बाद तहसीलदार के माध्यम से राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा।

वक्ताओं ने क्षेत्र में अघोषित बिजली कटौती, जर्जर सड़कों, भ्रष्टाचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर भी सरकार को घेरा।

सड़क से सदन तक उठाएंगे जनता की आवाज

पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने कहा कि सरकार की जनविरोधी नीतियों से हर वर्ग परेशान है। समाजवादी पार्टी जनता की आवाज को सड़क से सदन तक उठाती रहेगी। अमरपाल सिंह ने जोर देकर कहा कि सरकार जनता की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है, इसलिए लोकतांत्रिक तरीके से यह आंदोलन किया जा रहा है। धरने में राम समुझ रावत, अरुण यादव, उमेश यादव, विजय यादव, लवकुश यादव, इमरान खान, अरुणेश प्रताप सिंह उर्फ दल्लू सिंह, राम लखन यादव, अशर्फी लाल धीमान, गुड्डू यादव, सतीश गुप्ता, मोहम्मद हनीफ, संजय गौतम, शनि सिंह यादव, मनोज यादव, नितुल शर्मा, संतराम रावत, हरीशंकर रावत समेत बड़ी संख्या में अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

मौलाना सलमान नदवी का लखनऊ में निधन

प्रसिद्ध इस्लाम स्कॉलर और प्रचारकों में होती थी गिनती

तमसा संकेत, एजेंसी

इस्लामिक स्कॉलर, विचारक और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (AIMPLB) के पूर्व सदस्य मौलाना सैयद सलमान हुसैनी नदवी का सोमवार को लखनऊ में निधन हो गया। उनके निधन की खबर से देश और विदेश के शैक्षणिक, धार्मिक और सामाजिक हलकों में गहरा शोक है। मुस्लिम धर्म गुरुओं ने कहा कि मौलाना का निधन न केवल हिंदुस्तान के लिए, बल्कि संपूर्ण इस्लामी जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके जाने से इस्लामिक मुद्दों को उठाने वाली एक सशक्त आवाज खामोश हो गई है।

मौलाना सलमान हुसैनी नदवी का जन्म 1954 में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के सैयद परिवार में हुआ था। वह हजरत मौलाना सैयद मोहम्मद ताहिर हुसैनी के पुत्र और इस्लामी विचारक डॉ. सैयद अब्दुल अली हसनी के नवासे थे। इस पारिवारिक पृष्ठभूमि ने उन्हें एक आध्यात्मिक वातावरण प्रदान किया, जिसने उनके व्यक्तित्व को गहराई और वैचारिक व्यापकता दी। दारुल उलूम नदवतुल उलेमा, लखनऊ से हदीस में फजीलत की शिक्षा हासिल करने के बाद उन्होंने रियाद (सऊदी अरब) स्थित जामिया अल-इमाम मोहम्मद बिन सऊद अल-इस्लामिया से उच्च शिक्षा हासिल की। रियाद में उन्होंने अपने दौर के महान हदीस के विद्वान अल्लामा शेख अब्दुल फतह अबू गुद्दा की देखरेख में शोध कार्य किया। उसके बाद लखनऊ लौटकर दारुल उलूम नदवा में लंबे समय तक शैक्षणिक कार्यों में लगे रहे। मौलाना के निधन से दारुल उलूम नदवा के छात्रों और शिक्षकों में विशेष रूप से मायूसी है।

सहायक आचार्य भर्ती के साक्षात्कार 21 जुलाई से शुरू

विज्ञापन संख्या-51 के तहत 33 विषयों में 910 पदों पर होंगे इंटरव्यू

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-51 के अंतर्गत सहायक आचार्य के 33 विषयों में कुल 910 पदों पर चयन के लिए साक्षात्कार का विस्तृत कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इन पदों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन 18 व 19 अप्रैल 2026 को किया गया था, जिसका औपबन्धिक परिणाम 09 जून 2026 को घोषित किया गया था। लिखित परीक्षा में सफल घोषित किए गए कुल 3155 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार आगामी 21 जुलाई 2026 से लेकर 13 अगस्त 2026 तक विभिन्न तिथियों में आयोजित किया जाएगा।

आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 21 जुलाई 2026 मंगलवार को अर्थशास्त्र, 22 जुलाई बुधवार को वनस्पति विज्ञान एवं दर्शनशास्त्र, 23 जुलाई गुरुवार को रसायन विज्ञान, 24 जुलाई शुक्रवार को अंग्रेजी, 28 जुलाई मंगलवार को कृषि अर्थशास्त्र, मानव विज्ञान एवं भूगोल, 29 जुलाई बुधवार को भौतिक विज्ञान एवं मनोविज्ञान, 30 जुलाई गुरुवार को चित्रकला, संस्कृत एवं उर्दू, 31 जुलाई शुक्रवार को प्राचीन इतिहास, सैन्य विज्ञान एवं संगीत गायन के साक्षात्कार होंगे। इसी प्रकार 04 अगस्त मंगलवार को शिक्षाशास्त्र एवं इतिहास, 05 अगस्त बुधवार को पशुपालन एवं दुग्ध विज्ञान, संगीत तबला, शारीरिक शिक्षा एवं जंतु विज्ञान, 06 अगस्त गुरुवार को विधि एवं राजनीति विज्ञान, 07 एवं 11 अगस्त को हिंदी तथा 07 अगस्त को गणित, 12 अगस्त बुधवार को एशियन कल्चर, उद्यान विज्ञान, संगीत सितार, समाजशास्त्र एवं सांख्यिकी तथा 13 अगस्त गुरुवार को वाणिज्य एवं गृह विज्ञान विषयों के साक्षात्कार आयोजित किए जाएंगे।

बीओबी की ब्रांच में हंगामा, 5 महिलाएं बेहोश

दर्जनों लोगों ने नारेबाजी की, ढाई घंटे तक बंद गिराए रखा बैंक का शटर

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ के मोहान रोड स्थित शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में सोमवार को खाताधारकों ने फिर से हंगामा कर दिया। एफडी के नाम पर किए गए फर्जीवाड़े के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब ढाई घंटे तक बैंक का शटर गिराकर प्रदर्शन किया। इस दौरान 5 महिलाएं बेहोश हो गईं। प्रदर्शनकारी खाताधारकों का आरोप था कि बैंक प्रबंधन ने एक सप्ताह में भुगतान का आश्वासन दिया था। समय बीत जाने के बाद भी अधिकांश लोगों को उनकी जमा राशि नहीं मिली है। इसी के विरोध में लोगों ने बैंक के बाहर धरना दिया। मामले में दोनों आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। खाताधारकों ने 22 जून

को रुपए वापसी के आश्वासन की डेडलाइन खत्म होने के बाद फिर से प्रदर्शन शुरू किया है। 22 जून से हर कार्य दिवस पर पहुंचकर बैंक में प्रदर्शन कर रहे हैं। चेतावनी दी है कि यदि जल्द उनकी जमा पूंजी वापस नहीं की गई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

लोगों ने पानी की छींटें मारीं

प्रदर्शन के दौरान भीड़ और गर्मी की वजह से 5 महिला खाताधारकों की तबीयत बिगड़ गई और वे बेहोश हो गईं। इनमें जानकी, गुड़िया, जयश्री, रुचि गौतम, रामादेवी और सुषमा शामिल थीं। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें पानी की छींटें मारीं, तब उन्हें होश हाया।। घटना की सूचना मिलते ही बैंक शाखा प्रबंधक और भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया, जबकि बैंक मैनेजर ने भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया।

लोगों ने बैंक खुलते ही पहुंचकर शटर गिराकर बंद कर दिया।

पुलिस के हस्तक्षेप के बाद खुला ताला

करीब ढाई घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद बैंक मैनेजर के आश्वासन और पुलिस के हस्तक्षेप पर खाताधारकों ने बैंक का ताला खोल दिया। इसके बाद बैंक का नियमित कार्य शुरू हो सका। गौरतलब है कि कथित एफडी घोटाले में बैंक मित्र शिवा राव और उसके सहयोगी दीपक पर अधिक ब्याज का लालच देकर लोगों से लाखों रुपए जमा कराए थे।

मंदिर में महिलाओं के मंगलसूत्र छीने

हड़कंप

एक साथ 3 घटनाओं से हड़कंप, सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के बिसवा कोतवाली नगर के प्रसिद्ध मंशाराम मंदिर परिसर में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे पूजा-अर्चना के दौरान दो महिलाओं के मंगलसूत्र के सोने के पैडलम सहित तीसरी महिला के पायल छीन लिए जाने की घटना से श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया।

लगातार हुई दो वारदातों से मंदिर आने वाले भक्तों में आक्रोश और असुरक्षा की भावना व्याप्त है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, नगर के वार्ड कैथी टोला निवासी गीता पांडेय की बहू साक्षी पांडेय, पत्नी देवेश पांडेय, अपने परिवार के साथ मंशाराम मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए आई थीं। पूजा-अर्चना के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर एक उचक्का उनके मंगलसूत्र का सोने का पैडलम छीनकर मौके से फरार हो गया।

दूसरी घटना भी सामने आई

इसी दौरान मंदिर परिसर में दूसरी घटना भी सामने आई। इमलिया सुल्तानपुर क्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी रजनी, पत्नी योगेश, अपने परिवार के साथ बच्चे का मुंडन संस्कार कराने मंदिर आई थीं। मुंडन संस्कार के दौरान उनके मंगलसूत्र का सोने का पैडलम भी किसी उचक्के ने छीन लिया और फरार हो गया।

वहीं तीसरी घटना में महिला के पैर से पायल गायब होने की घटना का अहसास होते ही परिवार के लोगों ने शोर मचाया, लेकिन तब तक आरोपी भीड़ का फायदा उठाकर निकल चुका था।

दोनों घटनाओं के बाद पीड़ित महिलाओं ने तत्काल डायल-112 और कोतवाली बिसवां पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही उपनिरीक्षक सुधाकर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच-पड़ताल शुरू की। पुलिस मंदिर परिसर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

एक ही दिन मंदिर परिसर में हुई दो छिनैती की घटनाओं से श्रद्धालुओं में रोष है। लोगों ने मंदिर परिसर में पुलिस गश्त बढ़ाने, संदिग्ध व्यक्तियों पर निगरानी रखने और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

दानवीर भामाशाह की जयंती सपा कार्यालय पर मनाई गई

वक्ताओं ने उनकी राष्ट्रभक्ति और अद्वितीय त्याग को किया याद

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में सोमवार दोपहर समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर दानवीर भामाशाह की जयंती मनाई गई। निवर्तमान वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में महाराणा प्रताप के अनन्य भक्त, विश्वसनीय सलाहकार और राष्ट्रभक्त दानवीर भामाशाह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पूर्व विधायक अनिल वर्मा और सपा नेता अखिलेश पाठक आदि ने दानवीर भामाशाह के बताए गए रास्ते पर चलने की अपील की।

जयंती समारोह के उपरांत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अजय सिंह पाल ने भामाशाह की दानशीलता और अतुलनीय योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसी महानता और राष्ट्रसेवा के सम्मान में राजस्थान सरकार ने 'भामाशाह पुरस्कार' की स्थापना की है, जो विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को प्रदान किया जाता है।

निवर्तमान उपाध्यक्ष राहुल गुप्ता ने भामाशाह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे महाराणा प्रताप के सबसे भरोसेमंद सहयोगी थे। उन्होंने बताया कि जब मातृभूमि संकट में थी, तब भामाशाह ने अपनी पूरी जमा-पूंजी देश के लिए दान कर दी थी। इससे मुगलों की सेना को परास्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और सैन्य शक्ति जुटाई जा सकी। उनका यह त्याग हर युग में प्रेरणा का स्रोत बना रहेगा।

फास्ट न्यूज

महिला से छेड़छाड़, पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

हरदोई । हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र के एक गांव में अकेली महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर सांडी पुलिस ने रविवार शाम को 6:10 बजे संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला का आरोप है कि आरोपी इससे पहले भी उनके घर में घुस चुका है।

महिला ने पुलिस को बताया कि उसके पति और जेठ परदेश में रहते हैं, जिसके कारण वह घर पर अकेली थी। आरोप है कि 25/26 जून की रात करीब 1 बजे गांव का ही एक युवक गलत नीयत से उसके घर में घुस आया।

घर में झाड़ू लगाते समय महिला को सांप ने डसा

हरदोई। हरदोई में 28 जून रविवार को एक 50 वर्षीय महिला की जहरीले सांप के काटने से मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई। महिला को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान शाम 4 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

मृतका की पहचान बर्रईया पुरवा निवासी सुनीता पाल (50) पत्नी छुन्नू लाल के रूप में हुई है। बताया गया कि घटना के समय सुनीता अपने घर में झाड़ू लगा रही थीं, तभी एक जहरीले सांप ने उन्हें डस लिया। सांप के काटने के बाद सुनीता की हालत बिगड़ने लगी। स्थानीय लोग उन्हें तुरंत मेडिकल कॉलेज ले गए।

खेत में करंट लगने से किसान की मौत

हरदोई । हरदोई के शाहाबाद में मझिला थाना क्षेत्र के नगरिया गांव में सोमवार को धान की रोपाई करते समय करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई।

घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सड़क जाम कर प्रदर्शन किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को एफआईआर दर्ज कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम खुलवाया गया।

पति को छोड़ प्रेमी के साथ गई महिला

पहले भी 11 दिन बाद लौटी थी, अब दोबारा घर से लापता ■ पति की शिकायत पर केस दर्ज

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला के घर छोड़कर दोबारा एक युवक के साथ चले जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पति की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस सर्विलांस की मदद से महिला और नामजद युवक की तलाश कर रही है।

शहर के एक मोहल्ले के निवासी व्यक्ति ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उनकी 30 वर्षीय पत्नी 24 जून की सुबह करीब छह बजे घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। काफी तलाश के बाद उन्हें जानकारी मिली कि एक युवक उनकी पत्नी को अपने साथ ले गया है। शिकायत के साथ पीड़ित ने आरोपी का मोबाइल नंबर भी पुलिस को उपलब्ध कराया है।

पहले भी युवक के साथ चली गई थी

पीड़ित के अनुसार, यह पहली बार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे पहले भी वही युवक उनकी पत्नी को अपने साथ ले गया था। उस समय महिला करीब 11 दिन बाद वापस घर लौट आई थी। अब वह दोबारा उसी युवक के साथ चली गई है।

मोबाइल बंद, पुलिस कर रही तलाश

महिला अपना मोबाइल फोन भी साथ ले गई है, लेकिन फिलहाल उसका फोन बंद आ रहा है। घटना के बाद पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए शहर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई।

सर्विलांस की मदद से जांच जारी

शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। महिला और आरोपी युवक की तलाश के लिए सर्विलांस सहित अन्य माध्यमों से जांच की जा रही है। मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर में घुसकर दिव्यांग महिला पर हमला

हरदोई । हरदोई के कछौना क्षेत्र में रविवार को दिनदहाड़े एक दिव्यांग महिला पर घर में घुसकर हमला किया गया। आरोपी ने महिला से जेवर लूट लिए और फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता दीप्ति शुक्ला (पत्नी रोहित शुक्ला) ने पुलिस को बताया कि पंचमखेड़ा निवासी रंजीत उर्फ गब्बर पहले पानी मांगने के बहाने उनके घर आया था। जब महिला ने नल खराब होने की बात कही, तो वह चला गया। कुछ देर बाद आरोपी घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आया। घटना के समय दीप्ति घर में अकेली थीं, उनके पति काम पर गए थे और बच्चे पड़ोस में खेल रहे थे।

दीप्ति शुक्ला के अनुसार, आरोपी ने उन्हें अकेला पाकर जबरदस्ती करने का प्रयास किया। जब उन्होंने विरोध किया, तो आरोपी ने अपनी जेब से धारदार वस्तु निकालकर उनके गाल और गले पर हमला कर दिया। हमले में घायल होकर दीप्ति जमीन पर गिर गईं। इसके बाद आरोपी उनके कान के बाले, पायल और मंगलसूत्र लेकर मौके से फरार हो गया।

ऑटो पलटने से 6 साल के बच्चे की मौत

हरदोई में अन्य दो घायल, मेडिकल कॉलेज रेफर

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के शाहाबाद में सोमवार सुबह एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में छह वर्षीय बालक मंचित की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज हरदोई रेफर किया गया है।

यह घटना सुबह करीब 10:30 बजे रेभा मुरादपुर के पास हुई। मृतक बालक की पहचान मंचित (6 वर्ष) पुत्र लाला के रूप में हुई है। घायलों में शिव प्रसाद पुत्र रूपन और नितिन पुत्र शिवप्रसाद शामिल हैं।

महमदपुर भगत, थाना पिहानी निवासी शिव प्रसाद पाली के महमदापुर गांव से अपनी बेटी के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। ऑटो चालक एक शॉर्टकट रास्ते से जा रहा था। रास्ते में ऑटो खड़ा था, तभी एक बच्चे ने उसका एक्सीलेटर घुमा दिया।

एक्सीलेटर घुमाने से ऑटो अनियंत्रित होकर खाई में पलट गया। हादसे के बाद घायलों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां मंचित को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शिव प्रसाद और नितिन की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हरदोई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

करंट लगने से 14 वर्षीय छात्र की मौत

बिजली के तार की चपेट में आया, मौके पर ही मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के मिरकापुर गांव में बिजली के करंट की चपेट में आने से 14 वर्षीय छात्र पवन कुमार की मौत हो गई। वह कक्षा 9 का छात्र था और अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। इस घटना से परिवार में शोक का माहौल है। मेडिकल कॉलेज में रविवार रात करीब 9 बजे किशोर को मृत घोषित किया गया। सोमवार की दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम हुआ।

यह हादसा उस समय हुआ जब पवन अपने घर के बाहर मौजूद था। घर के बाहर लगे बिजली के पोल से निकले अर्थिंग के तार में करंट दौड़ रहा था, जिसकी चपेट में वह आ गया। करंट लगने से पवन गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही गिर पड़ा।

शव का पोस्टमार्टम कराया गया

परिजनों ने चीख-पुकार सुनकर तुरंत पवन को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। डॉक्टर ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन रात करीब 9 बजे उसे मृत घोषित कर दिया गया। ग्राम मिरकापुर निवासी अशोक कुमार खेती-किसानी करते हैं। उनकी दो बेटियां हैं और पवन उनका इकलौता पुत्र था। पवन की अचानक मौत से मां गीता देवी और पिता अशोक कुमार गहरे सदमे में हैं। इस घटना ने बिजली विभाग की कथित लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

युवक की ट्रैक्टर की टक्कर से मौत

जयपुर से साले की शादी में शामिल होने आया था ■ 6 महीने के बेटे के सिर से उठा पिता का साया

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में साले की शादी की खुशियां एक सड़क हादसे ने मातम में बदल दीं। शाहजहांपुर में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए लखनऊ ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में हालत बिगड़ने पर हरदोई मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान पाली थाना क्षेत्र के रामपुर टिकुरा निवासी 28 वर्षीय दीपक के रूप में हुई है। वह जयपुर में सिलाई का काम करते थे। उनके साले मनोज की शादी 28 जून को थी। शादी में शामिल होने के लिए दीपक 27 जून को जयपुर से अपने गांव लौटे थे।

दीपक की पत्नी राजमाला अपने छह महीने के बेटे के साथ पहले ही शाहजहांपुर जिले के कांठ थाना क्षेत्र स्थित सरथौली गांव, अपने मायके पहुंच गई थीं। रविवार दोपहर दीपक बाइक से ससुराल के लिए निकले थे। अल्लाहगंज थाना क्षेत्र के पास तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दीपक सड़क पर सिर के बल गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एम्बुलेंस से नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया।

रास्ते में बिगड़ी हालत, मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम

परिजन उन्हें एम्बुलेंस से लखनऊ ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में उनकी तबीयत अधिक बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें हरदोई मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां रविवार रात करीब 9:40 बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शहर कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

हरदोई के पिहानी कोतवाली क्षेत्र में रविवार शाम करीब 5:45 बजे एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि उनका तीसरा साथी गंभीर रूप से घायल है। मृतकों की पहचान सीतापुर जनपद के महोली थाना क्षेत्र के महोरनियां गांव निवासी रजनीश (24) और शिवा (22) के रूप में हुई है। घायल दोस्त रवि (21) का मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। रजनीश दिल्ली की एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करता था और 15 दिन पहले ही गांव आया था। जानकारी के अनुसार, रजनीश रविवार शाम करीब 5:45 बजे अपनी बाइक से पिहानी के मझिया गांव में रहने वाली अपनी बड़ी बहन रजनी से मिलने जा रहा था। उसके साथ गांव निवासी दोस्त रवि और शिवा भी थे। पिहानी-बूढ़ा गांव खटेली मार्ग पर घुरेला गांव के पास एक वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग सुधारने

निर्माण कार्य समय पर पूरे करने के निर्देश

डीएम ने विकास-राजस्व कार्यों की समीक्षा की

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में जिलाधिकारी अनुनय झा ने सोमवार को विवेकानंद सभागार में विकास एवं राजस्व कार्यों से संबंधित विभागों की समीक्षा बैठक की। इस दौरान सीएम डैशबोर्ड पर प्रगति की भी समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सीएम डैशबोर्ड की रैंकिंग सुधारने के लिए प्रभावी प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय पोर्टलों पर सभी सूचनाओं की समयबद्ध और शत-प्रतिशत फीडिंग सुनिश्चित की जाए, जिससे जनपद की रैंकिंग बेहतर हो सके।

झा ने जनपद में चल रहे निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। साथ ही, विद्युत सुरक्षा और अग्नि सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए।

जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों को संबंधित विभागों को समय पर हैंडओवर कराने के निर्देश दिए, ताकि उनका उपयोग शीघ्र शुरू हो सके। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरतने और नियमित समीक्षा कर कार्यों को गति देने के लिए भी कहा।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नेहा व्याडवाल, अपर जिलाधिकारी दीपाली भार्गव और नगर मजिस्ट्रेट संजय कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने अपनी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसके बाद जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक का मुख्य उद्देश्य विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, राजस्व कार्यों में तेजी लाना और सीएम डैशबोर्ड पर जनपद के प्रदर्शन को बेहतर बनाना था।

66 जिलाधिकारी ने पूर्ण हो चुके निर्माण कार्यों को संबंधित विभागों को समय पर हैंडओवर कराने के निर्देश दिए, ताकि उनका उपयोग शीघ्र शुरू हो सके। उन्होंने अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही न बरतने और नियमित समीक्षा कर कार्यों को गति देने के लिए भी कहा।

सरकारी बीज के लिए फार्मर रजिस्ट्री और ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्य

कृषि विभाग ने जारी की नई गाइडलाइन, ढडर के जरिए बांटा जाएगा बीज

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में कृषि विभाग ने किसानों के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। अब निःशुल्क मिनीकिट और 50 प्रतिशत अनुदान (सब्सिडी) पर बीज प्राप्त करने के लिए किसानों को पहले फार्मर रजिस्ट्री करानी होगी और फिर बीज की ऑनलाइन बुकिंग अनिवार्य होगी।

उप कृषि निदेशक राजेश कुमार ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह नई व्यवस्था इस वित्तीय वर्ष से पूरी तरह लागू कर दी गई है। उन्होंने उन किसानों से सबसे पहले अपनी फार्मर रजिस्ट्री पूरी करने का आग्रह किया है, जिन्होंने अभी तक ऐसा नहीं किया है, और उसके बाद ही बीज के लिए बुकिंग करें।

यह नियम खरीफ सीजन में बोई जाने वाली सभी प्रमुख फसलों के बीजों के लिए लागू है। इसमें सामान्य धान, संकर धान, तिल, उड़द, मूंग, अरहर, रागी, सांवा, कोदों, ज्वार और बाजरा आदि शामिल हैं। विभाग का पोर्टल उपलब्ध लक्ष्य पूरा होने तक बुकिंग के लिए खुला रहेगा।

उप कृषि निदेशक ने स्पष्ट किया कि खरीफ सीजन से केवल उन्हीं किसानों को बीज वितरित किया जाएगा जिन्होंने बुकिंग की है और जिनकी फार्मर रजिस्ट्री हो चुकी है। बीज का वितरण विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार से पी.ओ.एस. (POS) मशीन के माध्यम से किया जाएगा।

यदि निर्धारित लक्ष्य से अधिक बुकिंग प्राप्त होती है, तो जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित चयन समिति के समक्ष ई-लॉटरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। लॉटरी में चयनित किसानों को उनके मोबाइल पर संदेश भेजा जाएगा।

किसान अपनी आवश्यकतानुसार कृषि विभाग के आधिकारिक पोर्टल https://agriculture.up.gov.in पर जाकर तुरंत बुकिंग कर सकते हैं। यदि बुकिंग या फार्मर रजिस्ट्री कराने में कोई तकनीकी समस्या आती है, तो किसान अपने विकास खंड के राजकीय कृषि बीज भंडार से संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

सम्पादकीय

शहादत पर विवाद होना दुखद

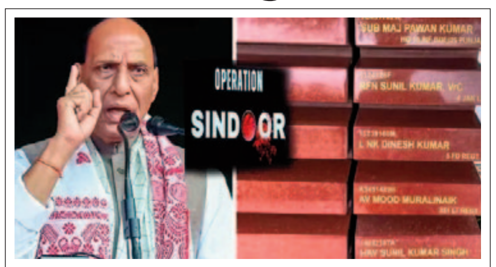

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शुरु किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफ शब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। कायदे से शहादत जैसे विषयों पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मोदी सरकार ने अब सेना को भी राजनैतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इसलिए शहादत पर विवादित बयानबाजी भी हो रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, 'आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज़ सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं।' रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, 'प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां।' जिस तरीके विपक्ष का नाम लेकर और उसके सवालों की नीयत पर सवाल उठाकर रक्षा मंत्री ने जवाब दिया, उसी से जाहिर था कि सेना के नाम पर मोदी सरकार राजनीति कर रही है। देश की सेना को वह मोदी सरकार की सेना की तरह बताकर उसके कामों का श्रेय अकेले लूटना चाहती है। जबकि कायदे से सेना जो भी करती है, उसकी तारीफ की हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का खूब नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफ से कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के ख़िलाफ़ भारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर 'संसद को गुमराह' किया गया। एक्स पर श्री खेड़ा ने लिखा कि 'सिफ़र् दो ही संभावनाएं हैं या तो रक्षा मंत्री को अपने ही मंत्रालय से जुड़े तथ्यों की जानकारी नहीं थी, जो उनकी क्षमता पर 'गंभीर सवाल' खड़ा करता है, या फिर उन्हें सच्चाई मालूम थी और इसके बावजूद उन्होंने 'संसद को गुमराह' करने का फ़ैसला किया।' उन्होंने लिखा, 'जिस सरकार ने ख़ुद को तिरंगे में लपेट रखा है और जो राष्ट्रवाद की बातें करते नहीं थकती, उसी सरकार ने इन वीरों को वह सम्मान और स्मरण नहीं दिया, जिसके वे हक़दार थे।' पवन खेड़ा ने कहा, 'इन वीरों के नाम देश की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज होने चाहिए थे। उनके परिवारों को यह महसूस होना चाहिए था कि पूरा देश उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद कर रहा है। लेकिन इसके उलट, पूरे एक साल तक भाजपा सरकार ने उनकी शहादत को देश से छिपाए रखने का फ़ैसला किया।' तरह के बयान अन्य दलों ने भी दिए, तो अब रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है कि 'कु छ सोशल मीडिया पोस्टों में 28 जुलाई 2025 को संसद में रक्षा मंत्री द्वारा दिए गए भाषण को ग़लत तरीक़े से पेश करने की कोशिश की गई है। इन पोस्टों में भाषण के एक छोटे से हिस्से को चुनकर यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की मौत नहीं हुई।

आज बेटियां बेटों से आगे बढ़कर अपने बुजुर्ग माता-पिता का सहारा बन रही हैं

> अदालत ने कहा कि उनके जीवन की त्रासदी कई लोगों के लिए आंखें खोलने वाली थी। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने त्रिपुरा के निवासी गौर आचार्य की आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा, जिन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलता है कि उसके शरीर पर चोट उसकी हत्या है यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था।

विवाह के समय मंडप में होने वाली 'कन्यादान' की रस्म अक्सर विदाई के आंसुओं के साथ एक गहरी उदासी छोड़ जाती है। सदियों से चली आ रही इस परंपरा के शाब्दिक अर्थ 'दान' को लेकर आज के आधुनिक समाज में कई सवाल उठ रहे हैं। लेकिन क्या सचमुच कन्यादान का मतलब बेटी से माता-पिता के रिश्ते का अंत है? बिल्कुल नहीं। आज के बदलते दौर में इस रस्म के मायने बदल चुके हैं। यह विदाई नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। सनातन संस्कृति में 'दान' का अर्थ किसी वस्तु को त्यागना होता है, लेकिन बेटी कोई वस्तु नहीं है। पारंपरिक दृष्टिकोण से देखें तो कन्यादान का अर्थ अपनी सबसे अनमोल धरोहर को किसी योग्य व्यक्ति के हाथों में सौंपना है। यह दो परिवारों के बीच विश्वास का एक सेतु है। माता-पिता वर पक्ष को यह विश्वास दिलाते हैं कि जिस बेटी को उन्होंने लाड़-प्यार से पाला है, अब वह उनके घर की खुशियों को बढ़ाएगी। आज के बदलते सामाजिक ताने-बाने में बेटियां शिक्षित, आर्थिक रूप से स्वतंत्र और मानसिक रूप से सशक्त हैं। वे शादी के बाद भी अपने माता-पिता के प्रति अपनी नैतिक और आर्थिक जिम्मेदारियों को उतनी ही शिद्दत से निभा रही हैं, जितना एक बेटा निभाता है। कई मायनों में तो बेटियां बेटों से आगे बढ़कर अपने बुजुर्ग माता-पिता का सहारा बन रही हैं। ऐसे में कन्यादान को 'बंधन टूटने' के रूप में देखना बेमानी है। यह रस्म वास्तव में माता-पिता द्वारा अपनी सबसे अनमोल धरोहर को एक नए सहयात्री को सौंपने, उस पर भरोसा जताने और दो परिवारों के बीच विश्वास का एक मजबूत सेतु बनाने का प्रतीक है। जब समाज के सामने ट्वीशा शर्मा जैसे मामले आते है तो समाज सोचने पर मजबूर हो जाता है . ट्वीशा शर्मा एक पूर्व मॉडल और अभिनेत्री थीं, जिनकी 12 मई 2026 को भोपाल स्थित उनके ससुराल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। उनके परिवार ने पति समर्थ सिंह और सास (रिटायर्ड जज) गिरिबाला सिंह पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया है। ट्वीशा शर्मा जैसे कई मामले ऐसे भी होते हैं, जहां न्याय प्रक्रिया शुरू होती है, कई अपराधी कानून में खामियां ढूंढकर बच जाते हैं, और फिर कोई अपनी राय उठाता है, आलोचना करता है, और साथ ही कहीं दूसरी ट्वीशा शर्मा को इस तरह की अन्याय का सामना करना पड़ता है और एक बार फिर दूसरे पीड़ित की मौत की खबर सामने आती है। लेकिन एक बेटी जीवन भर माता-पिता होती है, उसकी गरिमा, उसकी सुरक्षा और उसका जीवन किसी भी परंपरा से बड़ा होता है। लेकिन गर्भ में जन्म लेने वाली लड़की भी अक्सर शादी के बाद अपने माता-पिता के लिए अजनबी बन जाती है। यह विश्वास अभी भी कई माता-पिता के मन में है। अब आपके ससुराल वाले आपका घर हैं। ₹ यह वाक्य उसके जीवन का नियम बन जाता है। सवाल यह है कि क्या शादी एक बेटी को अपने माता-पिता के साथ रहने से रोकती है? आज भी कई शादीशुदा महिलाएं मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक या आर्थिक रूप से पीड़ित रहती हैं और जब वे मदद के लिए अपने माता-पिता के घर आती हैं तो उन्हें अक्सर सहारा देने के बजाय समझ की खुराक दी जाती है। यदि उसे मानसिक, शारीरिक या आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है तो कितने माता-पिता उसके ससुराल वालों के साथ खड़े हैं? ₹यह मेरे ससुर हैं ... कुछ चीजों को सहना पड़ता है..., ₹आपको इसकी आदत हो जाएगी..., थोड़ा समझो... इस समझ के साथ, कई लड़कियों को यातना के उसी माहौल में वापस भेज दिया जाता है। ₹इसे थोड़ा सहन करें₹, ₹यह हर घर में होता है₹, ₹लोग क्या कहेंगे?₹, ₹दुनिया को मत तोड़ो। लेकिन ₹सहना₹ सलाह हमेशा सही नहीं होती है। दुर्भाग्य से, इस तरह के फैसले कुछ लड़कियों को अवसाद, आत्महत्या या संदिग्ध मौत के कगार पर ला सकते हैं। जो माता-पिता समय पर बालिका के साथ खड़े नहीं होते हैं, वे भी अनजाने में स्थिति को मजबूत करते हैं। अक्सर, लड़कियों के प्रति यह सहिष्णुता अपराधियों का हौसला बढ़ाती है। कभी-कभी स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि उसके लिए जीने की तुलना में मौत आसान हो जाती है। लेकिन यह माता-पिता की जिम्मेदारी का अंत नहीं है। सच्ची पेरेंटिंग एक बेटी को मुसीबत में होने पर धैर्यपूर्वक सुनना, उस पर भरोसा करना, उसे एक सुरक्षित वातावरण देना और उसे आवश्यक कानूनी और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना है। आज की जरूरत लड़कियों को ₹इसे सहन करने₹ के लिए कहने की नहीं है, बल्कि उन्हें आश्वस्त करने की है कि ₹हम आपके साथ हैं₹ क्योंकि दुनिया फिर से उठ सकती है। लेकिन एक बार चले जाने के बाद, जीवन वापस नहीं आता है। उन्होंने कहा कि भारत ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए दशकों तक कानूनी लड़ाई लड़ी है और यह सुरक्षा आवश्यक थी। उन्होंने कहा कि पीढ़ियों से महिलाओं की आवाज को दबाया गया है, नजरअंदाज किया गया है, गुमराह किया गया है, आर्थिक बाधाओं के अधीन किया गया है और सामाजिक रूप से शर्मिंदा किया गया है। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था अपने आप में महिलाओं पर दबाव डालने, डराने और उनकी गरिमा को धूमिल करने का एक उपकरण बन सकती है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ हिंसा, सामाजिक मानदंड, न्याय तक पहुंच में देरी और कानूनों के बारे में अपर्याप्त जागरूकता जैसी समस्याएं अभी भी बनी हुई हैं। यह अभी भी चल रहा है। क्योंकि जो लोग कानूनी व्यवस्था को इतनी अच्छी तरह से जानते हैं, वे कभी-कभी इसे एक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। कई आरोपी कानून और कानून की खामियों से बच जाते हैं। त्विशा शर्मा मामले में क्या होता है जब आरोपी कानून से अनभिज्ञ सामान्य लोग नहीं होते हैं, बल्कि कानून या संस्थागत नेटवर्क के गहरे ज्ञान वाले लोग होते हैं।

अशोक भाटिया

भारतीय रेलवे ने ...

रामस्वरूप रावतसरे

अब हाइड्रोजन की ताकत से बदलेगा भारतीय रेलवे का भविष्य

भारत अब स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ा चुका है। इसी कड़ी में 26 जून 2026 को भारतीय रेलवे ने देश की पहली हाइड्रोजन फ्यूल आधारित ट्रेन को का सफल हाई-स्पीड ट्रायल हरियाणा के जिंद-सोनीपत रेलखंड पर किया। अब जल्द ही इसे यात्री सेवा में उतारने की तैयारी है। यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि अब भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जहाँ हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेनों का विकास और परीक्षण किया जा रहा है। हालाँकि, ट्रायल के दौरान ट्रेन ने 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की लेकिन यात्रियों के साथ इसकी अधिकतम गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। यह 10 कोच वाली ट्रेन 1200 किलोवॉट क्षमता वाले हाइड्रोजन फ्यूल सेल प्रोपल्शन सिस्टम से चलेगी। भारतीय रेलवे का कहना है कि यह परियोजना देश में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने और भविष्य में रेल परिवहन को पर्यावरण के लिए बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। हाइड्रोजन ट्रेन में डीजल इंजन की जगह हाइड्रोजन फ्यूल सेल का इस्तेमाल किया जाता है। फ्यूल सेल में हाइड्रोजन और हवा में मौजूद ऑक्सीजन के बीच रासायनिक प्रक्रिया होती है। इस प्रक्रिया से बिजली पैदा होती है जिससे ट्रेन की मोटर चलते हैं। इस पूरी प्रक्रिया में धुआँ या कार्बन डाइऑक्साइड नहीं निकलती बल्कि भाप निकलता है। यही वजह है कि हाइड्रोजन ट्रेन को डीजल ट्रेनों की तुलना में कहीं अधिक स्वच्छ माना जाता है। इसके अलावा यह तकनीक शोर भी कम करती है, जिससे ध्वनि प्रदूषण में भी कमी आती है। दुनिया भर में इसे भविष्य के हरित परिवहन का महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है। भारतीय रेलवे ने हरियाणा के जिंद-सोनी-पत सेक्शन को इस परियोजना के लिए पायलट रूट बनाया है। विशेषज्ञों के अनुसार यह रेलखंड नई तकनीक के परीक्षण के लिए सही माना गया है। यहाँ ट्रैफिक नियंत्रित है और नई प्रणाली की निगरानी करना बाकी जगहों के मुकाबले आसान है। इस परियोजना के लिए जिंद में हाइड्रोजन उत्पादन, भंडारण और रिफ्यूलिंग की विशेष सुविधा तैयार की गई है। यहाँ संपीड़ित हाइड्रोजन गैस को सुरक्षित तरीके से संग्रहित किया जाएगा और ट्रेन में भरा जाएगा। पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गेनाइजेशन (पीईए-सओ) ने इसके लिए आवश्यक लाइसेंस भी जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसर हाइड्रोजन एक ज्वलनशील गैस है, इसलिए सुरक्षा इस परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। रेलवे ने इसके लिए कई आधुनिक सुरक्षा व्यवस्थाएँ की हैं। रिफ्यूलिंग स्टेशन पर हाइड्रोजन लीक डिटेक्टर, फ्लेम डिटेक्टर, 24 घंटे निगरानी प्रणाली और स्टैंडबाय कम्प्रेसर लगाए गए हैं। हाइड्रोजन भरने वाले उपकरणों की नियमित जाँच और सफाई की जाएगी ताकि धूल या किसी तकनीकी खराबी के कारण कोई जोखिम न बने। इसके अलावा ट्रेन के संचालन और रखरखाव के लिए विशेष मैनुअल तैयार किए गए हैं, जिन्हें रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड्स ऑर्गेनाइजेशन से मंजूरी मिल चुकी है। शुरुआती दिनों में प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी ट्रेन के साथ यात्रा करेंगे ताकि किसी भी तकनीकी समस्या का तुरंत समाधान किया जा सके।

भारत दुनिया के सबसे बड़े रेल नेटवर्क वाले देशों में शामिल है। हर दिन लाखों यात्री और बड़ी मात्रा में माल रेल के जरिए एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं। ऐसे में यदि भविष्य में डीजल ट्रेनों की जगह धीरे-धीरे स्वच्छ ऊर्जा से चलने वाली ट्रेनें आती हैं, तो इससे प्रदूषण में कमी लाई जा सकती है। भारत ने साल 2070 तक नेट-जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है। रेलवे भी अपने कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए लगातार नई तकनीकों पर काम कर रहा है। हाइड्रोजन ट्रेन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। यदि यह परियोजना सफल रहती है, तो भविष्य में देश के अन्य नॉन एलेक्टरीफा-ईड रेल मार्गों पर भी ऐसी ट्रेनें चलाई जा सकती हैं। जानकारें के अनुसार हाइड्रोजन ट्रेन तकनीक अभी शुरुआती दौर में है। दुनिया के कुछ ही देशों ने इसे अपनाया है या इसका परीक्षण किया है। जर्मनी ने सबसे पहले नियमित यात्री सेवा में हाइड्रोजन ट्रेनें उतारी थीं। इसके अलावा जापान, चीन और अमेरिका भी इस तकनीक पर काम कर रहे हैं और अलग-अलग परियोजनाओं का परीक्षण कर चुके हैं। भारत की यह सफलता इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

मत्स्य पालन से रुखसाना ने हाथरस में लिखी महिला उद्यमिता और आत्मनिर्भरता की नई इबारत

भारत में नीली क्रांति को एक नई गति देने और पारंपरिक मछुआरों व मछली पालकों की आजीविका को सशक्त बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएम-एमएसवाई) संचालित की जा रही है। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत मत्स्य पालन विभाग द्वारा क्रियान्वित यह योजना भारतीय मत्स्य क्षेत्र में एक बड़ा निवेश कार्यक्रम है। देश में टिकाऊ, पारदर्शी और जिम्मेदार तरीके से मछली उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ-साथ बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना इस योजना का मूल संकल्प है। यह संपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रम दो प्रमुख घटकों के माध्यम से धरातल पर कार्य करता है, जिसमें शत-प्रतिशत केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित 'केंद्रीय क्षेत्र की योजना' और केंद्र व राज्यों के बीच निर्धारित अनुपात में खर्च साझा करने वाली 'केंद्र प्रायोजित योजना' शामिल हैं।

इस व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य की योजना में पारंपरिक मत्स्य पालन के तौर-तरीकों को बदलकर उसमें आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को शामिल करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। इसी क्रम में देश भर में बड़ी संख्या में रीसर्क्युलेटिंग एक्वाकल्चर सिस्टम (आरएएस) और नवीन बायो-फ्लॉक इकाइयों को मंजूरी दी गई है, जो बेहद कम पानी और सीमित भूमि क्षेत्र में भी उच्च घनत्व के साथ अधिक मछली उत्पादन सुनिश्चित करती हैं। बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से नए आइस प्लांट, कोल्ड स्टोरेज और मूल्य-संवर्धित प्रसंस्करण उद्यम स्थापित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही घरेलू विपणन तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए हजारों की संख्या में अत्याधुनिक रिटेल फिश मार्केट और मोबाइल कियोस्क को विशेष वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को राज्य में प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अपनी राज्य स्तरीय नीतियों और योजनाओं के साथ समेकित किया है। 'मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना' और उत्तर प्रदेश की सुदृढ़ मत्स्य नीति के माध्यम से राज्य सरकार मछुआरों के कल्याण, मत्स्य बीजों की उपलब्धता और अंतर्देशीय जल संसाधनों (तालाबों व पोखरों) के पट्टे आवंटन की प्रक्रिया को पारदर्शी व सुलभ बना रही है। राज्य सरकार उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख मत्स्य उत्पादन केंद्र बनाने के लिए बुनियादी ढांचा विकास और वित्तीय रियायतों पर विशेष ध्यान दे रही है। केंद्रीय योजना के प्रावधानों के अनुरूप ही राज्य का मत्स्य विभाग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला लाभार्थियों को अधिकतम 60 प्रतिशत तक की विशेष वित्तीय सब्सिडी का लाभ समय पर प्रदान कर रहा है, जबकि अन्य सामान्य श्रेणियों के लिए 40 प्रतिशत अनुदान देय है।

मछुआरों और मछली पालकों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए उन्हें उत्तर प्रदेश में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) की सुविधा से व्यापक स्तर पर जोड़ा गया है, ताकि बैंकों से कार्यशील पूंजी के लिए आसानी से और बेहद कम ब्याज दर पर ऋण मिल सके। इसके अतिरिक्त, वार्षिक मछली पकड़ने पर प्रतिबंध की अवधि या लीन पीरियड के दौरान मछुआरा परिवारों को भुखमरी और कुपोषण से बचाने के लिए विशेष आजीविका और पोषण सहायता प्रदान की जाती है।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश में...

सरिता वर्मा

उत्तर प्रदेश डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बन रहा है आत्मनिर्भर भारत की रक्षा शक्ति

रत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से स्थापित उत्तर प्रदेश डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) आज देश की सबसे महत्वाकांक्षी औद्योगिक परियोजनाओं में से एक बन चुका है। यह परियोजना न केवल रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा दे रही है, बल्कि उत्तर प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक रक्षा विनिर्माण मानचित्र पर एक नई पहचान भी दिला रही है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार इस परियोजना को गति प्रदान कर रही है, जिसके परिणाम-स्वरूप राज्य में निवेश, रोजगार और तकनीकी नवाचार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर को 06 प्रमुख नोड्स- झांसी, चित्रकूट, लखनऊ, कानपुर, अलीगढ़ और आगरा में विकसित किया जा रहा है। इन सभी केंद्रों का चयन उनकी रणनीतिक स्थिति, बेहतर सड़क संपर्क और एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ाव को ध्यान में रखते हुए किया गया है। प्रदेश सरकार द्वारा इन क्षेत्रों में उद्योगों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं जैसे उच्च गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति, जल व्यवस्था, सड़क नेटवर्क और अंतिम-मील कनेक्टिविटी विकसित की जा रही हैं। इससे निवेशकों को उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकूल वातावरण प्राप्त हो रहा है।

डिफेन्स कॉरिडोर की सबसे बड़ी विशेषता इसका व्यापक औद्योगिक एवं तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र है। परियोजना के अंतर्गत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर तथा आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी को उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। ये संस्थान रक्षा अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही कौशल विकास संस्थानों के सहयोग से युवाओं को रक्षा विनिर्माण से संबंधित आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग भागीदारों के साथ समन्वय स्थापित कर निवेशकों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है।

प्रदेश में रक्षा उद्योगों के विकास के लिए अब तक लगभग 2047.87 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। यह भूमि रक्षा उत्पादन इकाइयों, अनुसंधान केंद्रों और सहायक उद्योगों की स्थापना के लिए उपयोग में लाई जा रही है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 202 रक्षा उद्योगों की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। इन एमओयू के माध्यम से लगभग 35,370.59 करोड़ रुपये के निवेश और लगभग 54,063 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है।

डिफेन्स कॉरिडोर में उद्योग स्थापना की दिशा में तेजी से प्रगति हुई है। 177 रक्षा उद्योग की स्थापना हेतु एम.ओ.यू. में से अब तक 62 उद्योगों को कुल 1078.38 हेक्टेयर भूमि आवंटित की जा चुकी है। इन परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 12,294.45 करोड़ रुपये का निवेश और 14,108 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की संभावना है। आज वैश्विक स्तर पर उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में निवेशकों का पसंदीदा स्थल बनता जा रहा है।

रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी विभिन्न परियोजनाओं ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्तमान में डीआरडीओ, ब्रह्मोस एयरोस्पेस, अडानी डिफेन्स सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज सहित कुल आठ संस्थाओं द्वारा रक्षा उपकरणों का उत्पादन प्रारंभ किया जा चुका है। इन इकाइयों के संचालन से प्रदेश में उच्च तकनीक आधारित विनिर्माण को बढ़ावा मिल रहा है और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में पहले से ही हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल), भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), एवीआईएल तथा अन्य रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों की मजबूत उपस्थिति है। इन संस्थानों की मौजूदगी से रक्षा उद्योगों को आपूर्ति श्रृंखला, तकनीकी सहयोग और अनुसंधान सहायता प्राप्त हो रही है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश रक्षा उत्पादन के लिए एक सशक्त और विश्वसनीय औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है।

डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का एक महत्वपूर्ण पहलू बुंदेलखंड क्षेत्र का विकास भी है। झांसी और चित्रकूट जैसे जिलों में उद्योगों की स्थापना से स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है तथा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई गति प्राप्त हो रही है। लंबे समय तक विकास की मुख्यधारा से दूर रहे बुंदेलखंड में यह परियोजना औद्योगिक क्रांति का आधार बन रही है।

आज जब भारत रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब उत्तर प्रदेश डिफेन्स इंडस्ट्रियल कॉरिडोर इस लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। निवेश, नवाचार, कौशल विकास और आधुनिक आधारभूत संरचना के समन्वय से यह परियोजना न केवल उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा दे रही है, बल्कि भारत को वैश्विक रक्षा उत्पादन केंद्र बनाने के राष्ट्रीय संकल्प को भी मजबूती प्रदान कर रही है। आने वाले वर्षों में यह कॉरिडोर आत्मनिर्भर भारत की रक्षा शक्ति का एक सशक्त प्रतीक बनकर उभरेगा।

फंदे से लटका मिला युवक का शव

प्रेम-प्रसंग

परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया ■ एक साल से दोनों का अफेयर था

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सोमवार सुबह करीब 7 बजे 21 वर्षीय पॉलिटेक्निक छात्र का शव घर के एक कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में साड़ी के फंदे से लटका मिला। परिजन आनन-फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर ले गए, जहां चिकित्सक डॉ. स्वप्निल सिंह ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

परिजनों ने प्रेम प्रसंग को लेकर हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। आरोप है कि रविवार रात को कुछ लोग घर पर आए और मृतक जितेंद्र चौहान से मारपीट की थी। जिसके बाद सुबह युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक की पहचान रामनगर थाना क्षेत्र के कटियारा गांव निवासी जितेंद्र चौहान (21) के रूप में हुई है। सफेदाबाद में वह पॉलिटेक्निक की पढ़ाई करता था। परिजनों के अनुसार, पिछले करीब एक वर्ष से गांव की ही एक युवती से उसका प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि युवती के परिजन इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे, जिसके चलते दोनों पक्षों के बीच पहले भी विवाद हो चुका था।

मृतक जितेंद्र

रविवार रात मारपीट का आरोप

मृतक के पिता कीढ़ी लाल ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि प्रेम प्रसंग को लेकर लड़की पक्ष के लोगों ने पहले भी उनके बेटे के साथ मारपीट की थी। उनका कहना है कि रविवार रात तीन-चार लोग उनके घर पहुंचे थे। उस समय जितेंद्र छत पर सो रहा था। आरोप है कि उन लोगों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद सोमवार सुबह भी कुछ लोग उसे तलाशते हुए घर पहुंचे।

मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग

परिजनों का आरोप है कि जितेंद्र की हत्या करने के बाद शव को फंदे से लटका दिया गया ताकि घटना आत्महत्या प्रतीत हो। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है।

रामनगर थाना प्रभारी अरुण प्रताप सिंह ने बताया...

परिजनों की तहरीर प्राप्त हुई है। प्रथम दृष्टया युवक पिछले करीब एक वर्ष से प्रेम प्रसंग में था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक साक्ष्यों और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में पंचायत सहायक का आरोप मंदिर में दर्शन के बाद सामाजिक बहिष्कार और हमले की शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के पंचायत सहायक मोहम्मद आमिर ने आरोप लगाया है कि गुजरात के सोमनाथ मंदिर में दर्शन कर टीका लगवाने के बाद उन्हें सामाजिक बहिष्कार, मस्जिद में नमाज पढ़ने से रोकने और जान से मारने की धमकियों का सामना करना पड़ा है।

उन्होंने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। मोहम्मद आमिर ने बताया कि 11 मई को वह अपने मित्र अवधेश के साथ गुजरात के सोमनाथ मंदिर गए थे। वहां दोनों ने दर्शन किए और पुजारी से टीका लगवाया। उनके मित्र ने बाद में यह तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा कर दी। आमिर का आरोप है कि इसके बाद गांव के कुछ लोगों ने उनकी तस्वीर वायरल कर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं। उन्हें गांव छोड़ने, घर में आग लगाने और जान से मारने की धमकियां भी दी गईं।

पीड़ित का आरोप है कि उन्हें मस्जिद में नमाज अदा करने से भी रोका गया। इसके अतिरिक्त, ताजिया के दौरान उपस्थित रहने पर कुछ लोगों ने उन पर डंडों और लाठियों से हमला कर दिया। आमिर के अनुसार, इससे पहले भी उन पर फायरिंग की गई थी। इस हमले में उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल से लखनऊ रेफर किया गया। उनके सिर पर दस टांके लगाए गए हैं। आमिर ने बताया कि उन्होंने 17 मई और 22 जून को टिकैतनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन समय पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। टिकैतनगर थाना प्रभारी मनोज कुमार ने जानकारी दी कि मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। अन्य आरोपों के संबंध में क्षेत्राधिकारी रामसनेहीघाट ने रिपोर्ट तलब की है।

फास्ट न्यूज

टाउनहॉल भूमि खाली करने का नोटिस चस्पा

सीतापुर। सीतापुर में शहर के सिविल लाइन स्थित टाउनहॉल की सरकारी भूमि पर कथित अवैध कब्जे को लेकर जिला प्रशासन ने सोमवार दोपहर करीब 2 बजे कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी न्यायालय के आदेश पर तहसील प्रशासन ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर कब्जेदारों के नाम नोटिस चस्पा कर दिया। नोटिस में 15 दिनों के भीतर भूमि खाली करने के निर्देश दिए गए हैं। टाउनहॉल की भूमि पर लंबे समय से प्रेम नारायण गुप्ता और नरेश गुप्ता का कब्जा बताया जा रहा है।

बेटी की शादी से पहले लाखों की चोरी

सीतापुर। सीतापुर के रामकोट थाना क्षेत्र के डिहुवा गांव में रविवार रात करीब 1 से 2 बजे के बीच चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए लाखों रुपये के जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना ऐसे समय हुई है, जब परिवार में 6 जुलाई को बेटी की शादी होनी है। शादी के लिए रखे गए जेवर और नकदी चोरी होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पीड़ित अनुराग ने बताया कि उनके पिता दिनेश मिश्रा पुत्र छोटेलाल मिश्रा परिवार के साथ रात में बिजली न होने के कारण छत पर सो रहे थे। इसी दौरान अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में घुस गए और कमरे में रखे बक्सों का ताला तोड़कर करीब 15 लाख रुपये मूल्य के जेवर और 40 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ले गए।

असरफ मंजिल पर प्रशासन की कार्रवाई

सीतापुर। सीतापुर में शहर के सिविल लाइन क्षेत्र स्थित चर्चित असरफ मंजिल को लेकर जिला प्रशासन ने बड़ी सोमवार सुबह 12 बजे कार्रवाई शुरू कर दी है। नजूल भूमि पर बने इस परिसर के कब्जेदारों को जिलाधिकारी न्यायालय की ओर से नोटिस जारी कर कोठी पर चस्पा कराया गया है।
प्रशासन ने सभी संबंधित पक्षों को 10 जुलाई तक जिलाधिकारी न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने के निर्देश दिए हैं।

मजार निर्माण पर दो समुदाय आमने-सामने

पुलिस ने रुकवाया काम, 5 लोग हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के बदोसराय कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव में रविवार शाम मजार निर्माण को लेकर दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और एहतियातन निर्माण कार्य तुरंत रुकवा दिया। गांव में तनाव की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। यह घटना देर शाम की बताई जा रही है।

गांव में एक स्थान पर मजार का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी बीच, दूसरे समुदाय के लोगों ने इस निर्माण पर आपत्ति जताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने विवाद बढ़ने से रोकने के लिए फिलहाल निर्माण कार्य बंद करा दिया है। पुलिस ने निर्माण कार्य में शामिल पांच लोगों को हिरासत में लिया है। इन सभी का शांति भंग की आशंका के तहत चालान किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्राधिकारी रामनगर भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

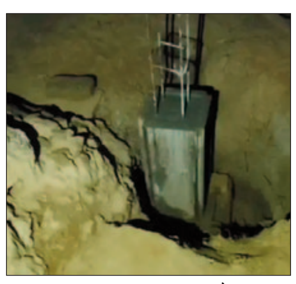

दलित युवक की मौत पर पीड़ित परिवार से मिले राज्यमंत्री ■ पुलिस की कार्यशैली पर जताई नाराजगी

तहरीर बदलकर मुकदमा दर्ज करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के टिकैतनगर थाना क्षेत्र के खजुरी चिर्रा गांव में तंत्र-मंत्र के दौरान कथित तांत्रिक द्वारा जीभ काटे जाने से दलित युवक सुखई की मौत के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। प्रदेश सरकार में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा रविवार को पीड़ित परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर उन्हें निष्पक्ष जांच और न्याय का भरोसा दिलाया।

मुलाकात के दौरान परिजनों ने मंत्री से शिकायत की कि घटना के बाद टिकैतनगर पुलिस ने उनकी लिखित तहरीर लेने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति से तहरीर लिखवाकर मुकदमा दर्ज किया। उन्होंने पुलिस पर मामले में लापरवाही बरतने और शिकायत को गंभीरता से न लेने का आरोप लगाया।

तंत्र-मंत्र के दौरान गई थी युवक की जान

गौरतलब है कि खजुरी चिर्रा गांव में कथित तंत्र-मंत्र की क्रिया के दौरान दलित युवक सुखई की जीभ काटे जाने के बाद उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। एहतियात के तौर पर पुलिस क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए है।

मंत्री ने पुलिस अधिकारियों को लगाई फटकार

परिजनों की शिकायत सुनने के बाद राज्यमंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताई। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और प्रभावी जांच के निर्देश देते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाए।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, पीड़ित परिवार ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

नामजद आरोपी गिरफ्तार, भेजा गया जेल

बताया जा रहा है कि मंत्री की फटकार के बाद पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी कथित तांत्रिक हिदायत रसूल उर्फ गुल्ले बाबा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। अदालत के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

कारों की मामूली टक्कर के बाद हाईवे पर हंगामा

परेशानी

बाराबंकी में बीच सड़क गाड़ियां खड़ी कर दीं ■ 2 किमी लंबा जाम लगा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफेदाबाद ओवरब्रिज के पास दो कारों की मामूली टक्कर के बाद जमकर हंगामा हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों ने अपनी-अपनी गाड़ियां सड़क के बीच में खड़ी कर दीं, जिससे करीब आधे घंटे तक हाईवे पर यातायात बाधित रहा। भीषण गर्मी के बीच लगभग दो किलोमीटर लंबा जाम लग गया, जिससे राहगीरों और यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, लखनऊ से अयोध्या जा रही पुलिस विभाग का लोगो लगी एक सफेद स्विफ्ट डिजायर कार और उसके पीछे चल रही दूसरी कार के बीच हल्की टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। इस दौरान दोनों ओर से एक-दूसरे को जेल भेजने और देख लेने जैसी धमकियां भी दी गईं।

लोगों के समझाने और अपील पर हटीं गाड़ियां

मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों पक्षों से कई बार वाहन हटाने की अपील की। काफी समझाने-बुझाने के बाद दोनों ने अपनी कारें सड़क किनारे कीं, जिसके बाद यातायात धीरे-धीरे सामान्य हो सका। हालांकि, गाड़ियां हटाने के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक बहस जारी रही।
विवाद में शामिल पुलिस विभाग का लोगो लगी कार का नंबर UP-32 KC 0601 और दूसरी कार का नंबर UP-32 KM 0863 बताया गया है।
फिलहाल पुलिस की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। पुलिस का कहना है कि यदि किसी पक्ष की ओर से शिकायत मिलती है, तो जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बीच सड़क खड़ी कर दीं गाड़ियां, लग गया जाम

जानकारी के मुताबिक, दूसरी कार एक सरकारी शिक्षिका के परिवार की थी, जिसे उनके पति चला रहे थे। विवाद के दौरान दोनों पक्ष सड़क पर ही बहस करते रहे और अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर खड़ी कर दीं। इससे हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब दो किलोमीटर तक जाम की स्थिति बन गई।

डंपर ने बाइक को टक्कर मारी, महिला की मौत

रायबरेली में बेटा घायल, डंपर चालक हिरासत में

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली के डलमऊ कोतवाली क्षेत्र के घोरवारा में एक सड़क हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़ी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। महिला का बेटा भी घायल हो गया। घटना तक़रीबन सुबह 11 बजे की बताई जा रही है।

मृतक महिला की पहचान मधुकरपुर निवासी 45 वर्षीय सुनीता देवी के रूप में हुई है। हादसे के वक्त वह अपने बेटे के साथ बाइक पर खड़ी थीं। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

जानकारी के अनुसार, सुनीता देवी अपने पति और बेटे के साथ पूर्णिमा के अवसर पर गंगा स्नान कर घर लौट रही थीं। घोरवारा कस्बे के पास उनके पति ने प्रसाद लेने के लिए सड़क किनारे बाइक खड़ी की थी। इसी दौरान एक अनियंत्रित डंपर ने सामने से आकर बाइक को टक्कर मार दी।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर भागने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने पीछा कर बहरिया मोड़ के पास डंपर को रोका और चालक को हिरासत में ले लिया।

घोरवारा चौकी इंचार्ज ने बताया कि यह घटना चौकी से महज 50 कदम की दूरी पर हुई।

शिविर 19 में से 18 मानक पूरे होने पर भी मिलेगा मौका ■ प्रशासन का सहयोग

कोचिंग पंजीकरण शिविर शुरू, मिलेगी सुधार की मोहलत

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली । रायबरेली में कोचिंग संस्थानों के पंजीकरण और सरकारी मानकों के अनुपालन के लिए जिला प्रशासन ने एक विशेष पहल शुरू की है। रायबरेली विकास प्राधिकरण (RDA) के सभागार में सोमवार को एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कोचिंग संचालक पहुंचे।

इस शिविर में विकास प्राधिकरण, माध्यमिक शिक्षा, अग्निशमन और विद्युत सुरक्षा विभाग के अधिकारी एक साथ मौजूद रहे। इसका उद्देश्य कोचिंग संचालकों को विभिन्न कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना और सभी औपचारिकताओं को एक ही स्थान पर पूरा करवाना था। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि कोचिंग संस्थानों के सुरक्षित संचालन के लिए कुल 19 मानक निर्धारित किए गए हैं। यदि कोई संस्थान 18 मानकों को पूरा कर लेता है और किसी एक तकनीकी मानक में कमी रह जाती है, तो उसका आवेदन तुरंत निरस्त नहीं किया जाएगा।

कोचिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया की जिला इकाई के अध्यक्ष विक्रम सिंह और प्रशासनिक अधिकारियों ने संयुक्त रूप से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मानकों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा, लेकिन संचालकों को प्रक्रिया पूरी करने में प्रशासन का पूरा सहयोग मिलेगा। जिला प्रशासन का उद्देश्य कोचिंग संचालकों को परेशान करना नहीं, बल्कि उन्हें नियमों के दायरे में लाकर बच्चों के लिए सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक माहौल तैयार करना है। कोचिंग फेडरेशन ने जिले के सभी कोचिंग संचालकों से इस 3 दिवसीय विशेष शिविर में अनिवार्य रूप से भाग लेने की अपील की है। समय रहते संस्थानों की जांच कराकर पंजीकरण करवाने से भविष्य में किसी भी कानूनी कार्रवाई या असुविधा से बचा जा सकेगा।

दावा : सरकारी अस्पताल में कमीशनखोरी के आरोप

दवा उपलब्ध होने पर भी मरीजों को बाहर से लिखने का दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में इलाज व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठे हैं। अस्पताल में दवाएं उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को बाहर की मेडिकल दुकानों से दवाएं खरीदने के लिए लिखे जाने के आरोप सामने आए हैं। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

वायरल वीडियो में एक मरीज ने आरोप लगाया है कि उसे अस्पताल में दवा उपलब्ध होने के बावजूद बाहर से महंगी दवाएं खरीदने के लिए पर्चा दिया गया। मरीज का कहना है कि उसे सरकारी अस्पताल में मुफ्त दवा मिलने की योजना का लाभ नहीं मिल सका और उसे निजी मेडिकल स्टोर से दवा खरीदनी पड़ी।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ चिकित्सक और संबंधित कर्मी कथित तौर पर कमीशन के लालच में मरीजों को बाहर की दवाएं लिख रहे हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है, जबकि सरकार ने सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क दवा उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।

यह मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल तेज हो गई है। हालांकि, इस संबंध में अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यदि ये आरोप सही पाए जाते हैं, तो यह सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

फिलहाल, वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि मरीज को बाहर से दवा क्यों लिखी गई और क्या अस्पताल में संबंधित दवाएं वास्तव में उपलब्ध थीं। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर वारदात, शिकायत के बाद भी मौके पर नहीं पहुंची पुलिस

60 हजार के बिजली के तार चोरी, छह दिन बाद भी एफआईआर नहीं

कार्यवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी, दोस्तपुर रोड में निर्माणाधीन मकान से बिजली के तार चोरी होने का मामला सामने आया है। घटना में करीब 60 हजार रुपये मूल्य के बिजली वायरिंग के तार चोरी होने की बात कही जा रही है। इस मामले को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पीड़ित के अनुसार, वह जब अगली सुबह अपने निर्माणाधीन मकान पर पहुंचे तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर जांच करने पर पता चला कि वायरिंग

के लिए लगाए गए सभी बिजली के तार गायब थे। यह देख कर उन्होंने तत्काल चोरी की पुष्टि की और मामले की जानकारी पुलिस को दी। घटना के बाद पीड़ित ने उसी दिन कोतवाली अकबरपुर में लिखित तहरीर देकर मुकदमा दर्ज करने और कार्रवाई की मांग की, लेकिन आरोप है कि घटना के छह दिन बीत जाने के बाद भी न तो प्राथमिकी दर्ज की गई है और न ही पुलिस द्वारा मौके का निरीक्षण किया गया है। पीड़ित का कहना है कि वह लगातार कोतवाली के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन अब तक उन्हें केवल आश्वासन ही मिला है। इससे नाराज पीड़ित परिवार ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए हैं और जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल इस पूरे मामले में पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न लग रहा है।

पीड़ित का आरोप है कि 24 जून को शिकायत देने के बाद भी पुलिस ने अब तक न मुकदमा दर्ज किया और न ही किसी पुलिस अधिकारी या फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उनका कहना है कि यदि शुरुआती स्तर पर जांच शुरू होती तो चोरों तक पहुंचने की संभावना अधिक रहती

कार्रवाई में देरी से बढ़ी नाराजगी

पीड़ित परिवार का कहना है कि लगातार शिकायत के बावजूद कार्रवाई न होने से उनमें निराशा है। उनका आरोप है कि चोरी जैसी संगीन घटना के बाद भी यदि समय पर मुकदमा दर्ज नहीं होता तो इससे अपराधियों के हौसले बढ़ते हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से तत्काल एफआई-आर दर्ज कर चोरी का खुलासा करने और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की है।

वायरिंग का सामान बना चोरों का निशाना

वृंदावन कॉलोनी निवासी रविन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि उनके निर्माणाधीन मकान में वायरिंग का कार्य चल रहा था। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार रुपये मूल्य के बिजली के तार खरीदे थे। आरोप है कि 24 जून की रात अज्ञात चोर मकान का ताला तोड़कर भीतर घुस गए और छत पर बिछाए गए अधिकांश बिजली के तार काटकर ले गए। इससे निर्माण कार्य भी प्रभावित हो गया।

प्रेस क्लब चुनाव में बढ़ी सरगर्मी, निवर्तमान सचिव बृजेंद्र वीर सिंह ने उपाध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

चुनाव संचालन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया नामांकन पत्र, समर्थकों में दिखा उत्साह

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। प्रेस क्लब अंबेडकरनगर के चुनाव को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। सोमवार को प्रेस क्लब के निवर्तमान सचिव एवं तमसा संकेत तथा न्यूज 24 के ब्यूरो चीफ बृजेंद्र वीर सिंह ने उपाध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के साथ ही चुनावी माहौल में नई हलचल देखने को मिली। प्रेस क्लब भवन में आयोजित नामांकन प्रक्रिया के दौरान बृजेंद्र वीर सिंह ने चुनाव संचालन समिति के अध्यक्ष सर्वजीत त्रिपाठी तथा समिति के सदस्य देवेंद्र सिंह, प्रदीप तिवारी और अजीत सिंह की मौजूदगी में अपना नामांकन पत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान उनके समर्थक और पत्रकार साथी भी मौजूद रहे।

बृजेंद्र वीर सिंह प्रेस क्लब के निवर्तमान सचिव हैं और लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

वर्तमान में वह तमसा संकेत और न्यूज 24 के ब्यूरो चीफ के रूप में कार्यरत हैं। संगठनात्मक कार्यों में उनकी सक्रिय भूमिका के चलते पत्रकारों के बीच उनकी अलग पहचान मानी जाती है। उनके चुनाव मैदान में उतरने से उपाध्यक्ष पद का मुकाबला रोचक होने की संभावना जताई जा रही है।

नामांकन के बाद बृजेंद्र वीर सिंह ने कहा कि प्रेस क्लब हमेशा पत्रकारों के अधिकारों, सम्मान और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करता रहा है। उन्होंने कहा कि यदि उन्हें साथियों का समर्थन और विश्वास मिला तो वह पत्रकारों के हितों की रक्षा, संगठन की गरिमा और प्रेस क्लब की गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे।

फास्ट न्यूज

रोटरी क्लब संभल मिडटाउन का सत्र संपन्न

संभल। संभल में रोटरी क्लब संभल मिडटाउन के सत्र 2025-26 का समापन, धन्यवाद एवं सम्मान समारोह तथा सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी के पदभार ग्रहण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य, वरिष्ठ रोटेरियन और उनके परिवारजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।
निवर्तमान अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रशांत वार्ष्णेय ने अपने संबोधन में वर्षभर मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

ऑटो-कार की टक्कर, ड्राइवर-आशा कार्यकत्री घायल

कन्नौज। कन्नौज में सोमवार दोपहर 12 बजे ऑटो की कार से जोरदार भिड़ंत हो गई। जिससे ऑटो ड्राइवर व आशा कार्यकत्री बुरी तरह घायल हो गई। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गम्भीर होने पर डॉक्टर ने ऑटो ड्राइवर को कानपुर रेफर कर दिया। ये घटना जीटी रोड पर सरायमीरा-मकरन्दनगर के बीच पीएसएम पीजी कॉलेज के पास की है। जहां मकरन्दनगर की ओर से आ रही हरियाणा नम्बर की आई-20 कार में सरायमीरा की ओर से आ रहे ऑटो ने टक्कर मार दी।

इटावा में महिला को लोहे के गेट से करंट लगा

इटावा। इटावा जिले के वैदपुरा थाना क्षेत्र के उमराई गांव में सोमवार दोपहर करीब 1 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब घर के लोहे के गेट में उतरे करंट की चपेट में आकर 32 वर्षीय महिला झुलस गई। परिजनों ने आनन-फानन में महिला को उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है। उमराई गांव निवासी सीलम (32) पत्नी सुभाष घर के कामकाज में लगी हुई थीं।

तहसील मिल्कीपुर में भ्रष्टाचार के आरोपों पर अधिवक्ताओं का प्रदर्शन

सीएम और डीएम से जांच की मांग, भ्रष्टाचार और अधिवक्ताओं के उत्पीड़न के विरोध में प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। जिले के तहसील मिल्कीपुर में भ्रष्टाचार, अव्यवस्था और अधिवक्ताओं के साथ हो रहे दुर्व्यवहार के विरोध में बार एसोसिएशन मिल्कीपुर ने आंदोलन तेज कर दिया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार मिश्रा ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी को शिकायती प्रार्थना पत्र भेजकर पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच तथा दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। अधिवक्ताओं के धरना-प्रदर्शन को स्टांप विक्रेताओं और टाइपिस्टों का भी समर्थन मिला है। बार एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि तहसील परिसर में भ्रष्टाचार का बोलबाला है और विभिन्न न्यायालयों व काउंटरों पर निजी मुंशी एवं दलालों के माध्यम से कार्य कराए जा रहे हैं। बिना दलालों के न्यायिक कार्य कराना मुश्किल हो गया है। प्रार्थना पत्र में उपजिलाधिकारी

मिल्कीपुर सुधीर कुमार पर पक्षपात, अधिवक्ताओं से अभद्र व्यवहार, नियमों की अनदेखी तथा विवादित मामलों में अनुचित हस्तक्षेप के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। यह भी आरोप है कि तहसील में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति इस प्रकार बदल दी गई है कि कथित अवैध लेनदेन कैमरे में दर्ज न हो सके। बार एसोसिएशन ने कई अधिवक्ताओं के मामलों का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि न्यायालयों के आदेशों का पालन नहीं कराया जा रहा है, सरकारी भूमि से अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा और राजस्व मामलों में मनमानी की जा रही है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पूर्व में भी शिकायतें की गईं।

सांसद प्रिया सरोज के साथ नाव पर बैठकर घाट घूमा, टीना ने रील बनाई

अखिलेश के बेटा-बेटी ने काशी विश्वनाथ में पूजा की

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बेटे अर्जुन और बेटी टीना रविवार शाम वाराणसी पहुंचे। मछलीशहर से सपा सांसद प्रिया सरोज भी उनके साथ थीं। तीनों ने सबसे पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। इसके बाद वे संकट मोचन हनुमान मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। बाद में तीनों ने नाव से गंगा घाटों का भ्रमण किया और करीब एक घंटे तक नौका विहार किया। इस दौरान टीना रील बनाती नजर आईं। अर्जुन और टीना जुड़वां भाई-बहन हैं। रविवार शाम 6 बजे अर्जुन और टीना काशी पहुंचे। वह यहां एक

> अखिलेश- डिंपल की छोटी बेटी टीना अक्सर पारिवारिक कार्यक्रमों में ही नजर आती हैं। सार्वजनिक कार्यक्रमों में कम ही दिखती हैं। टीना-अर्जुन ने अपनी पढ़ाई एक साथ शुरू की। 12वीं तक की पढ़ाई लखनऊ में रहकर की। इसके बाद टीना लंदन में पढ़ाई के लिए पहुंच गईं। टीना सोशल मीडिया पर भी एक्टिव रहती हैं। उनके इंस्टा पर डेढ़ लाख फॉलोअर हैं।

- अर्जुन और टीना के साथ सांसद प्रिया सरोज भी साथ रहीं।
- करीब एक घंटे तक टीना और अर्जुन मंदिर और घाट पर घूमते रहे।

होटल में रुके। प्रिया सरोज भी होटल पहुंचीं और दोनों भाई-बहन को रिसीव किया। वहां से सभी मंदिर पहुंचे। इनके साथ काशी में पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ?विश्वकर्मा? भी मंदिर पहुंचे। यहां पर भाई-बहन ने पूजा अर्चना की। दूध और गंगा जल से अभिषेक किया। मंदिर परिसर में विराजमान अन्य विग्रहों में भी पूजा की। इसी दौरान सपा समर्थकों को जानकारी हो गई।

शाम करीब 6 बजे भाई-बहन काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचे। यहां दर्शन पूजन किया।

भाई-बहन को सुरक्षा घेरे में मंदिर परिसर से बाहर निकाला

सपा समर्थकों की भीड़ को देखते हुए पुलिस अलर्ट हो गई। पुलिसकर्मियों ने भाई-बहन को सुरक्षा घेरे में मंदिर परिसर से बाहर निकाला। इसके बाद अर्जुन और टीना संकट मोचन मंदिर पहुंचे। यहां करीब 30 मिनट तक दोनों ने पूजा की। दर्शन पूजन के बाद मीडिया के लोगों ने दोनों से बात करने का प्रयास किया। मगर दोनों ने कोई बयान नहीं दिया।

बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता और समर्थक मंदिर परिसर के बाहर पहुंच गए। हालांकि, अर्जुन और टीना का काशी दौरे को पूरी तरह गोपनीय रखने की तैयारी थी। सिर्फ प्रिया सरोज और काशी के कुछेक सपा नेताओं को इसकी जानकारी थी।

आगरा के शनिदेव मंदिर के चढ़ावे से हफ्ता वसूली

40 हजार रुपए ले गए, महिला समेत 8 लोगों पर धमकाने-मारपीट की शिकायत

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के रुनकता स्थित शनिदेव मंदिर समिति के सदस्य ने कुछ लोगों पर मंदिर के चढ़ावे से जबरन चौथ वसूली करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने इस संबंध में पुलिस को प्रार्थना पत्र दिया है। एक सीसीटीवी भी दिया गया है। जिसमें एक महिला और कुछ लोग नोट गिनते दिख रह हैं। डीसीपी ने मामले की जांच एसीपी हरीपर्वत को दी है। रुनकता निवासी नरेन्द्र पुत्र नत्थी सिंह वर्तमान में रुनकता धाम शनिदेव मंदिर कमेटी के सदस्य हैं और मंदिर में आने वाले चढ़ावे का

हिसाब-किताब संभालते हैं। उनका आरोप है कि क्षेत्र के ही कुछ लोग आशा पत्नी भूरी सिंह, सन्जू पुत्र नितम सिंह, धन्नो देवी उर्फ सरोज पत्नी केयरी, चिन्का उर्फ नागेन्द्र पुत्र केयरी, वोल्टर उर्फ प्रतीक पुत्र प्रताप सिंह, सुमन देवी पुत्री सत्तो, सीमा पुत्री नितम सिंह और राजू पुत्र महावीर आये दिन मंदिर के चढ़ावे से 10 हजार रुपए प्रति सप्ताह चौथ के रूप में मांगते हैं। पीड़ित के अनुसार, आरोपित पहले भी कई बार डराकर पैसे वसूल चुके हैं। 9 मई की रात करीब 9 बजे सभी आरोपित मंदिर कार्यालय में पहुंचे, गाली-गलौज की और हफ्ते की रकम लेट होने पर नाराजगी जताई। आरोप है कि उन्होंने जबरन कुर्सी से हटाकर मुख्य कुर्सी पर कब्जा कर लिया और डराकर 40 हजार रुपये की वसूली कर ली। नरेन्द्र सिंह का कहना है कि जाते समय आरोपितों ने धमकी दी कि अगर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई तो जान से मार देंगे। उन्होंने बताया कि पूरी घटना मंदिर में लगे कैमरों में कैद हो गई है। डीसीपी ने मामले की जांच एसीपी हरीपर्वत अमीषा को सौंपी है।

25 हजार का इनामी गौवंश तस्कर गिरफ्तार

चंदौली। चंदौली जिले की संयुक्त टीम ने सोमवार को खुरमाबाद के पास से 25 हजार रुपये के इनामी गौवंश तस्कर अखिलेश कुमार को गिरफ्तार किया। अखिलेश 31 लोगों का गिरोह बनाकर गौवंश तस्करी का काम करता था। पुलिस जांच में उसके बैंक खाते से गौवंश तस्करी में शामिल सहयोगियों के खातों में 2.50 करोड़ रुपये ट्रांसफर होने का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, एक साल पहले सैयदराजा थाने में गौवंश तस्करी का एक मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले की जांच के दौरान बिहार राज्य के रोहतास जनपद निवासी अखिलेश कुमार का नाम गिरोह के मुख्य सरगना के रूप में सामने आया। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने अखिलेश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित करते हुए उसकी गिरफ्तारी के लिए सैयदराजा, कंदवा थाने की पुलिस के साथ स्वाट और सर्विलांस टीम को लगाया था। संयुक्त पुलिस टीम ने आरोपी अखिलेश कुमार को खुरमाबाद से गिरफ्तार कर लिया।

एमआईटी के समर बूट कैंप में विद्यार्थियों ने सीखे डिजिटल युग के नए कौशल

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय 'समर बूट कैंप का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कौशल विकास एवं उद्योगोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मीनाक्षी वर्मा ने किया।

बूट कैंप के दौरान विद्यार्थियों को ई-कॉमर्स बेसिक्स, फिनटेक फंडामेंटल्स, ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस, यूपीआई इकोसिस्टम, सोशल मीडिया मार्केटिंग, बैंकिंग टेक्नोलॉजी, एसईओ फंडामेंटल्स, ब्लॉकचेन फंडामेंटल्स, डिजिटल एडवरटाइजिंग एवं साइबर सिक्योरिटी जैसे समकालीन और रोजगारोन्मुख विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्रों का संचालन डॉ. मीनाक्षी वर्मा, आसिम रिज़वी,

मानसी चौधरी एवं अभिजीत चटर्जी ने किया। कार्यक्रम का समापन प्रमाण-पत्र वितरण समारोह के साथ हुआ। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन गौरव अग्रवाल, बरखा अग्रवाल, निदेशक डॉ. के.एल.ए. खान तथा प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे कौशल विकास कार्यक्रम विद्यार्थियों को नई तकनीकों से जोड़ने के साथ-साथ उन्हें उद्योग की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

साइकिल चलेगी तो...

बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ भी होगा। सीएम योगी ने कहा, 'कांग्रेस के पाप के कारण बांग्लादेश बना। बांग्लादेश और पाकिस्तान का बनना आवश्यक नहीं था। उन्होंने आरोप लगाया, 'पाकिस्तान का निर्माण सत्तालोलुपता का परिणाम था और यदि उस समय कांग्रेस का नेतृत्व अडिग रहता तो मोहम्मद अली जिन्ना सफल नहीं हो पाते और भारत का विभाजन नहीं होता।' योगी ने कहा कि यदि विभाजन नहीं हुआ होता तो इन गरीबों, बंगाली परिवारों को विस्थापित नहीं होना पड़ता। उन्होंने कहा कि भविष्य में किसी हिंदू को विस्थापित न होना पड़े, इसके लिए उत्तर प्रदेश रक्षा विनिर्माण गलियारे (डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर) में ब्रह्मोस मिसाइल का निर्माण भी किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने वर्षों तक इन विस्थापित परिवारों की सुध नहीं ली और केवल तुष्टीकरण की राजनीति करती रहीं। उन्होंने कहा, 'दिल्ली और देश के विभिन्न राज्यों में कांग्रेस और सपा ने आंदोलन किया था कि इनको (नागरिकता) प्रमाणपत्र नहीं मिलना चाहिए। इनका उद्देश्य ही क्या है कि देश के संसाधन पर पहला अधिकार मुसलमान का होना चाहिए, यही तो इनकी कुत्सित चेष्टा थी, यही तो इनकी तुष्टीकरण की नीति थी और यही पाप ये जिंदगी भर करते रहे और उस पाप का खामियाजा हिंदू भुगतता रहा।'

4 साल की मासूम के ...

सुबह तक बच्ची नहीं मिली तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस और परिजनों ने मिलकर उसे तलाश करना शुरू किया। खोजबीन के दौरान घर से सिर्फ 300 मीटर पीछे जंगल वाले रास्ते में बच्ची का शव मिला। शव खून से लथपथ था, जिसे देखकर हर कोई सदमे में आ गया। पूरे इलाके में इस घटना की खबर फैलते ही सनसनी फैल गई। लोग आक्रोशित हैं और जल्द से जल्द दोषी को सजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जौनपुर के पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने बताया कि सुबह 112 पर सूचना मिली थी कि 4 वर्षीय बालिका गुम हो गई है। परिजनों के साथ पुलिस टीम ने तलाशी ली और बच्ची मृत अवस्था में मिली। शव का पंचनामा और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी...

उन्होंने बताया कि अभियोजन पक्ष (प्रोसिक्यूशन) की प्रभावी पैरवी के लिए बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। उनके साथ पांच अन्य अधिवक्ताओं की टीम भी गठित की जाएगी, जो आरोपियों के खिलाफ मामले की पैरवी में शामिल रहेगी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिलाधिकारी को पत्र भेजकर मांग की जाएगी कि आरोपियों के खिलाफ पैरवी में अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाए। इसके अलावा संघ ने मांग उठाई कि श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव के खिलाफ धारा 173 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर उनकी भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि जांच पूरी होने तक वे अयोध्या छोड़कर न जा सकें।

एसी ब्लास्ट से 21वें...

आग आसपास के फ्लैटों में फैलती, उससे पहले ही उस पर काबू पा लिया गया। हालांकि, एक फ्लैट का सामान जलकर खाक हो गया। आग लगने की यह घटना सेक्टर-119 स्थित अरण्य सोसाइटी की 24 मंजिला इमारत में हुई। सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया, "हमारे बहादुर जवानों ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। इस घटना में किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई है। एहतियात के तौर पर पूरी बिल्डिंग खाली करा दी गई थी।"नोएडा में ऊंची इमारतों और बहुमंजिला सोसाइटीज में आग बुझाने के लिए दमकल विभाग के पास हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म और आर्टिकुलेटिंग वाटर टावर जैसी हाइड्रोलिक मशीनें उपलब्ध हैं। 30 से लेकर 42 मीटर तक की ये मशीनें 10 फ्लोर तक आग बुझा सकती है। वहीं, 72 ओर 102 मीटर की हाइड्रोलिक खरीदी जा रही है। जो अभी नहीं मिली हैं। नोएडा के सुपरनोवा सेक्टर-94 में सबसे ऊंची इमारत है। इसे 80 मंजिल का बनाया जाना है। अभी इसकी 60 मंजिल बनकर पूरी तरह से तैयार है। इसमें लोग रहते है। यहां भी सिर्फ 4 हाइड्रोलिक हैं जो 42 मीटर तक आग बुझा सकती है। हालांकि, अभी सुपरनोवा में एयर कंप्रेस्ड फोम सिस्टम का परीक्षण हुआ था। वो 300 मीटर तक आग बुझा सकता है। लेकिन अभी मौजूदा में नहीं है।

कासगंज में ट्रेनी...

संतुलन बिगड़ने के बाद विमान हाईटेंशन तारों में उलझकर नीचे गिरा। दुर्घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। करीब 3 :40 बजे सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। इलाके की घेराबंदी की गई। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। अलीगढ़ से ट्रेनिंग सेंटर के अधिकारी-कर्मचारी मौके पर पहुंचे। घायल पायलट को अपने साथ अलीगढ़ ले गए।

अलीगढ़ की हवाई ...

मुंबई की रहने वाली पायलट कायनात पुत्री कादरखान ट्रेनिंग ले रही थीं। सोमवार दोपहर कायनात ने अलीगढ़ में धनीपुर हवाई पट्‌टी से सेसना 172 विमान से उड़ान भरी थी। विमान में वो अकेली थीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, विमान आसमान में मंडरा रहा था। अचानक उसका संतुलन बिगड़ा और बिजली के तारों से टकराकर बरेली-मथुरा हाईवे किनारे गिर गया। बिजली विभाग के जेई पंकज कुमार ने बताया- हाईवे के पास 11 मीटर का पोल है, जो जमीन से 33 फुट ऊंचा है। जिस पर 33 हजार किलो वोल्ट करंट के तार थे। हाईवे निर्माण के दौरान लाइन में करंट बंद कर रखा था। हादसे में विमान क्षतिग्रस्त हो गया। पायलट को विमान से बाहर निकालकर जिला अस्पताल भेजा गया। जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने जिला अस्पताल पहुंचकर घायल पायलट का हाल जाना।

भाजपा के एजेंडे में...

विश्वविद्यालय संकीर्ण राजनीति का शिकार हो गए है। अगर बेसिक शिक्षा ही समाप्त हो जाए, जिस तरह से नियुक्तियां हो रही उस पर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं तो उम्मीद कहां बच रही है। समस्या का मूल भाजपा और उनके संगी साथियों का वर्चस्ववादी, रुढ़िवादी सोच में कई परतों के नीचे छिपा है। शिक्षा, शिक्षक, शिक्षार्थी व शैक्षिक व्यवस्था को राजनीतिक सत्ता बचाने के लिए गुप्त चाल बना दिया गया है। अगर इस तरह चाल चली जाएगी तो संकट पैदा हो जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि शिक्षकों को तरह-तरह के कामों में लगा दिया जाता है। तो कभी चारा इकट्ठा करने में ड्यूटी लगा दी जाती है। उनका मनोबल गिराने के लिए कभी पाठ्यक्रम बदलते है, कभी यूनिफार्म तो कभी परीक्षाओं में जातिवादी प्रश्न पूछे जाते है। जब परीक्षाओं को लेकर बड़ी-बड़ी कमेटियां बनायी जाती है तो जातिवादी प्रश्न कैसे पूछे जाते हैं? गांव का प्राइमरी स्कूल मर्जर के नाम पर बंद कर दिया जाता है, जरा उस छह साल की छोटी बच्ची के बारे में सोचिए जिसे पढ़ाई के लिए तीन किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। रास्ते मंे डर। स्कूल में शौचालय नहीं। ऑगनबाड़ी में मायूसी। देश के बच्चों के लिए भाजपा सरकार के पास पैसे नहीं है, लेकिन अपने विज्ञापन के लिए खजाना खुला है। हर विभाग से बजट कटौती कर विज्ञापनों पर खर्च किया जाता है। अच्छी शिक्षा के लिए जितने बजट की सलाह दी गयी है, इस सरकार में शिक्षा का बजट उससे आधे से भी कम है, जो दर्शाता है कि आज शिक्षा की बदहाली के लिए कोई सोच काम नहीं कर रही है। जब बुनियादी शिक्षा के लिए बजट नहीं है तो रिसर्च और डेवलपमेंट के लिए सोचना बेमानी होगी। यह सरकार रिसर्च और डेवलपमेंट का बजट भी विज्ञापन पर खर्च कर रही है। केजी से विश्वविद्यालय तक हर क्लास में संघर्ष करना पड़ता है। आधारभूत ढ़ांचे की कमी। कहीं कुर्सी मेज नहीं, कहीं कापी-किताब और कहीं मिड-डे-मील नहीं। कहीं लैब नहीं, खेल का मैदान बिल्डरों को बेंच दिया जाता है। फीस की कमी से लाखों बच्चे पढ़ाई छोड़ देते हैं।

बाबा बर्फानी की...

इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

आयरलैंड से हार पर कहा- टीम हालात के हिसाब से ढल नहीं पाई

जैसे सबका डेब्यू हुआ, वैभव सूर्यवंशी का भी होगा : रयान

चयन

बेलफास्ट। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोशेट ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए पूरी तरह तैयार बताया है। हालांकि, कोच ने साफ तौर पर कहा कि टीम में जगह पाने के लिए वैभव को भी उसी चयन प्रकिया से गुजरना होगा। जिससे अन्य खिलाड़ी गुजरे हैं। 45 साल के साउथ अफ्रीकी कोच ने आयरलैंड से हार पर कहा कि टीम खुद को हालात के हिसाब से ढाल नहीं पाई। रविवार को टीम इंडिया को आयरलैंड के खिलाफ एक रन की करीबी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ आयरलैंड ने भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप भी कर दिया था। आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव को मौका नहीं मिलने पर उठे सवालों के जवाब में टेन डोशेट ने कहा कि संजू सैमसन ने कुछ महीने पहले भारत को टी20 वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि अच्छे IPL सीजन के बाद भी खिलाड़ियों को पर्याप्त अवसर देना और उन पर भरोसा बनाए रखना जरूरी है।

डोशेट बोले- वैभव को लेकर टीम मैनेजमेंट एक्साइटेड

टेन डोशेट ने कहा कि टीम प्रबंधन वैभव को जल्द खेलते देखने के लिए उत्साहित है, लेकिन उनके लिए भी वही मानदंड लागू होंगे जो अन्य खिलाड़ियों पर लागू होते हैं। हम सभी वैभव को खेलते देखना चाहते हैं, लेकिन उसे भी वही प्रक्रिया पूरी करनी होगी। उसकी प्रतिभा पर किसी को कोई शक नहीं है।

आईपीएल में रहा शानदार प्रदर्शन

वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे।

उन्होंने 230 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए ऑरेंज कैप, मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर और इमर्जिंग प्लेयर जैसे पुरस्कार अपने नाम किए थे। भारत अब 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगा।

आयरलैंड ने पहली बार भारत को सीरीज में हराया

दूसरा टी-20 मुकाबला 1 रन से जीता, टीम इंडिया ने 3 साल बाद सीरीज गंवाई

मुंबई। आयरलैंड ने इतिहास रचते हुए पहली बार मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भारत को टी-20 सीरीज में हरा दिया। बेलफास्ट में खेले गए दूसरे टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया पर 1 रन से जीत हासिल करते हुए 2-0 से सीरीज अपने नाम कर ली। इसके साथ ही भारतीय टीम को तीन साल बाद किसी टी-20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 में वेस्टइंडीज ने 3-2 से हराया था। आयरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन बनाए। टीम की ओर से हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। भारत की ओर से डेब्यू कर रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बना सकी। तिलक वर्मा ने सबसे ज्यादा 55 रन बनाए। आयरलैंड के लिए जय मूंदड़ा ने 3 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस मैच में भी डेब्यू करने का मौका नहीं मिला। दोनों टी-20 मुकाबलों में भारत की हार की सबसे बड़ी वजह टॉप ऑर्डर की नाकामी रही। पहले मैच में 183 रन का पीछा करते हुए टीम ने 60 रन तक संजू सैमसन (5), ईशान किशन (1) और कप्तान श्रेयस अय्यर (3) के विकेट गंवा दिए थे। अभिषेक शर्मा ने 20 गेंदों में 50 रन जरूर बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही पूरी बल्लेबाजी बिखर गई और टीम 148 रन पर सिमट गई।

बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया

2019 वर्ल्ड कप, 2022 टी-20 वर्ल्ड कप के हीरो रहे

नई दिल्ली। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहा तीसरा टेस्ट उनका आखिरी मैच होगा। जब उनके रिटायरमेंट की घोषणा हुई, तब वे बॉलिंग कर रहे थे। खबर आने के बाद अगली ही गेंद पर उन्होंने जैक फॉक्स का विकेट लिया। 15 साल के करियर में बेन स्टोक्स ने इंग्लैंड के लिए कई यादगार पारियां खेली। चाहे वह 2019 वर्ल्ड कप फाइनल हो, 2019 का ऐतिहासिक एशेज टेस्ट। उनका नाम दो नाइट क्लब विवादों से जुड़ा। इसकी वजह से पहले उनसे वाइस कैप्टेंसी गई, फिर टीम से निकाला गया। अब उन्होंने रिटायरमेंट का एलान कर दिया है। स्टोक्स ने रिटायरमेंट का फैसला टीम को पहले ही बता दिया था। चौथे दिन की शुरुआत से पहले उन्होंने ड्रेसिंग रूम में एक भावुक स्पीच भी दी। उन्होंने कहा 'इस टीम के लिए वे पहले भी कई बार खुद को झोंक चुके हैं और उनके पास एक आखिरी कोशिश बाकी है।' कप्तान स्टोक्स ने खिलाड़ियों से कहा कि आखिरी 2 दिन में अपना सब कुछ झोंक दीजिए। उन्होंने कहा- 'इमोशनल हिस्सा अब पीछे छोड़ चुका हूं। अब काम पर लौटने का वक्त है। प्लीज, बाकी सब मेरे साथ आएं।'

केप वर्डे के फुटबॉल कप्तान पर रेप के आरोप

ट्रांसलेटर बोली- होटल के कमरे में दुष्कर्म किया, 4 जुलाई को नॉकआउट में अर्जेंटीना से मैच

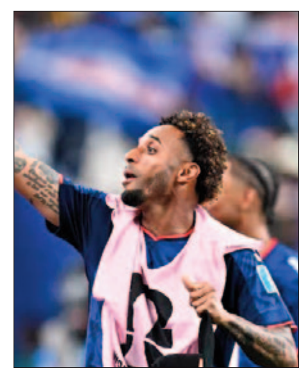

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप के दौरान केप वर्डे फुटबॉल टीम के कप्तान रेयान मेंडेस गंभीर आरोपों के चलते चर्चा में आ गए हैं। ब्राजील की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूजीलैंड में आयोजित मार्च 2026 की FIFA सीरीज के दौरान टीम के साथ ट्रांसलेटर के रूप में काम करने वाली एक महिला ने मेंडेस पर यौन उत्पीड़न और रेप का आरोप लगाया है। हालांकि, अभी तक इस मामले में किसी अदालत ने उन्हें दोषी नहीं ठहराया है और यह स्पष्ट नहीं है कि उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा या नहीं। जांच फिलहाल जारी है। ब्राजीलियन मीडिया ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, कथित घटना मार्च 2026 में उस समय हुई, जब केप वर्डे की राष्ट्रीय टीम न्यूजीलैंड में FIFA सीरीज के मुकाबले खेलने गई थी। आरोप लगाने वाली महिला का कहना है कि वह टीम के लिए ट्रांसलेटर के तौर पर कार्यरत थी और इसी दौरान उसके साथ कथित यौन उत्पीड़न हुआ। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि महिला ने कथित घटना की जानकारी केप वर्डे फुटबॉल टीम से जुड़े तीन अधिकारियों को दी थी। आरोप है कि शिकायत के बावजूद उसे कोई जवाब या सहायता नहीं मिली। दूसरी ओर, केप वर्डे फुटबॉल अधिकारियों ने अब तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। वहीं, USA TODAY की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय टीम ने मीडिया द्वारा भेजे गए टिप्पणी के अनुरोध का भी जवाब नहीं दिया। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब केप वर्डे की राष्ट्रीय टीम अपने फुटबॉल इतिहास का सबसे बड़ा प्रदर्शन कर रही है। टीम पहली बार फीफा विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंची है और राउंड ऑफ 32 में जगह बनाने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश बनी है। टीम का अगला मुकाबला 4 जुलाई को मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से होना है।

> **फीफा ने यूएसए टुडे के हवाले से जारी बयान में कहा- हम किसी भी तरह के गलत आचरण के आरोप को गंभीरता से लेते हैं। हम न्यूजीलैंड की संबंधित एजेंसियों के संपर्क में है, लेकिन इससे आगे कोई टिप्पणी नहीं करेगा।**

महिला ने होटल के कमरे में रेप का आरोप लगाया

ग्लोबो की रिपोर्ट के अनुसार, शिकायत करने वाली महिला ब्राजील की नागरिक है। महिला का आरोप है कि ऑकलैंड के एक होटल में रेयान मेंडेस उसके कमरे में आए और यौन हमला किया। इसके बाद पीड़ित ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी और मेडिकल जांच कराई। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मेडिकल जांच में महिला के शरीर पर कई चोटों के निशान मिले। रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने इन चोटों की तस्वीरें पुलिस और बाद में ग्लोबो को भी उपलब्ध कराईं।

ग्रुप स्टेज में अजेय रही केप वर्डे की टीम

पहली बार वर्ल्ड कप खेल रहा केप वर्डे ग्रुप स्टेज में अजेय रहा है। उसने स्पेन और उरुग्वे जैसी पूर्व वर्ल्ड चैंपियन टीमों वाले ग्रुप में भी कोई मैच नहीं गंवाया। टीम ने अनुभवी गोलकीपर वोजिन्या के नेतृत्व में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया।

मनोरंजन

श्रद्धा की फिल्म ईठा का टाइटल विवादों में

नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी और विठाबाई के परिवार ने आपत्ति जताई

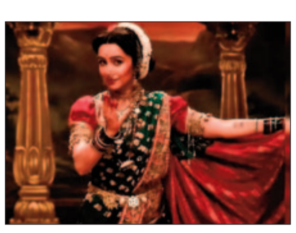

नई दिल्ली। श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म ईठा, टाइटल के चलते विवादों से घिर चुकी है। ये फिल्म लीजेंड्री लावणी नृत्यांगना, गायिका और कलाकार विठाबाई नारायणगांवकर पर बनी है। फिल्म का टीजर जारी होने के बाद NCP (नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) ने फिल्म का टाइटल ईठा रखने पर नाराजगी जाहिर की। उनका मानना है कि फिल्म जिस महान कलाकार पर बनी है, टाइटल भी उनसे मिलता जुलता होना चाहिए। अब विठाबाई के परिवार ने भी आपत्ति जाहिर की है। टीवी 9 की रिपोर्ट के अनुसार, NCP के विरोध को विठाबाई के परिवार का समर्थन मिला है। विठाबाई के बेटों कैलाश और राजेश नारायणगांवकर और पोते मोहित ने ईठा नाम पर आपत्ति जताते हुए फिल्ममेकर्स से टाइटल बदलने की मांग की है। हालांकि इस पूरे विवाद पर मेकर्स की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। बता दें कि NCP के अलावा सांस्कृतिक विभाग के महाराष्ट्र अध्यक्ष बाबा साहेब पाटिल ने टाइटल पर सवाल उठाया है कि लावणी और तमाशा के क्षेत्र में विठाबाई ने बड़ा योगदान दिया है।

काव्या मारन क्या म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध से करेंगी शादी

म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) की सीईओ काव्या मारन की शादी की खबरें एक बार फिरचर्चा में हैं। अनिरुद्ध के अंकल और तमिल एक्टर वाई जी महेंद्रन ने दोनों की शादी का दावा किया है।

महेंद्रन ने तमिल चैनल केपीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा कि उन्हें जो बताया गया है, उसके मुताबिक यह शादी पक्की है। काव्या और अनिरुद्ध की जोड़ी बहुत अच्छी है। हालांकि, अनिरुद्ध और काव्या मारन की तरफ से अभी तक कोई ऑफिशियल बयान नहीं आया है। एक्टर वाई जी महेंद्रन ने एक तमिल चैनल केपीटीवी को दिए इंटरव्यू में इस रिश्ते पर बात की। उन्होंने अनिरुद्ध की तारीफ करते हुए कहा कि वह बहुत ही शांत स्वभाव का लड़का है। मैं उसे बधाई देना चाहता हूं। वह एक बहुत बड़ी शादी करने जा रहा है।

शिव सेना नेता समझ बैठीं नया एपिसोड, बोलीं- कोई सबक नहीं मिला, मेडिकल इमरजेंसी पर किया था आपत्तिजनक कमेंट

समय रैना के लेटेंट शो के पुराने क्लिप पर विवाद

पहले भी विवादों में रहा इंडियाज गॉट लेटेंट

सीजन 2 से पहले इंडियाज गॉट लेटेंट का पहला सीजन भी विवादों में रहा था। शो में गेस्ट बनकर आए रणवीर अलाहबादिया ने पेरेंट्स पर आपत्तिजनक कमेंट किया था, जिसके बाद शो से जुड़े सभी सदस्यों के खिलाफ देश भर में कई शिकायतें दर्ज करवाई गई थीं। शो के सभी एपिसोड डिलीज करवाए गए थे, जिसके बाद शो बंद हो गया।

मुंबई। कॉमेडियन समय रैना के शो इंडियाज गॉट लेटेंट का एक पुराना वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस क्लिप को लेकर एक बार फिर विवाद छिड़ गया, क्योंकि कई लोगों ने इसे शो का नया एपिसोड समझ लिया। इसी भ्रम के चलते प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दे दी। बाद में सामने आया कि यह वीडियो शो के पहले सीजन का पुराना हिस्सा था। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में समय रैना एक कंटेस्टेंट को स्कोर देने की प्रक्रिया के दौरान मंच के सामने बैठी एक युवती के अचानक रोते हुए बाहर जाने पर सवाल करते दिखाई देते हैं। युवती के साथ मौजूद युवक आराम से अपनी जगह बैठा रहता है। समय रैना उससे पूछते हैं कि आखिर लड़की अचानक क्यों चली गई। शुरुआत में युवक कोई स्पष्ट जवाब नहीं देता, लेकिन बार-बार पूछने पर वह बताता है कि उसके साथ आई लड़की के पिता को माइनर हार्ट अटैक आया है और इसी वजह से वह घबराकर बाहर चली गई। इसके बाद समय रैना ने जिस अंदाज में प्रतिक्रिया दी, उसी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई। कई यूजर्स ने उनकी टिप्पणी की तुलना हाल ही में विवादों में आए कॉमेडियन प्रणीत मोरे के मामले से करनी शुरू कर दी। गौरतलब है कि प्रणीत मोरे अपने एक कथित आपत्तिजनक बयान को लेकर पहले ही विवादों में घिर चुके हैं और उनके खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई जा चुकी है।

इस पर समय ने उस लड़के से कहा, 'तुम भी साथ जाओ, कंधा दो उसे। कंधा दोगे तभी तो हेड देगी।' सोशल मीडिया पर ये क्लिप सीजन 2 से जुड़ी बताकर वायरल की गई।

आलिया भट्ट बनी थीं पहले एपिसोड की गेस्ट

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' के पहले एपिसोड में आलिया भट्ट और शरवरी वाघ बतौर गेस्ट शामिल हुईं। एपिसोड के दौरान समय रैना और आलिया भट्ट ने एक-दूसरे पर मजाकिया अंदाज में तंज कसे और रोस्ट किया। शो में समय रैना ने आलिया भट्ट का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यकीन ही नहीं हो रहा कि आलिया शो के पहले एपिसोड में गेस्ट बनकर आई हैं।

ऐसे ही बयान पर फंसे थे कॉमेडियन प्रणीत मोरे

कुछ समय पहले ही स्टैंड-अप कॉमेडियन प्रणीत मोरे ने गुरुग्राम में लाइव क्राउड वर्क कॉमेडी का एक क्लिप शेयर किया था। इस क्लिप में हिमांशू जांगड़ा नाम के एक शख्स ने डेटिंग पर बात करते हुए कहा था कि उसने महिला को 370 रुपए की बिरयानी खिलाई थी, लेकिन इसके बावजूद वो लड़की बिना फिजिकल हुए वहां से चली गई। शो में उन्होंने कहा था कि 370 रुपए वसूल नहीं हो सके। वीडियो वायरल होने के बाद हिमांशू को नौकरी से निकाल दिया गया, जबकि प्रणीत मोरे के खिलाफ साइबर सेल में शिकायत दर्ज की गई। विवाद बढ़ने के बाद प्रणीत मोरे ने सार्वजनिक रूप से माफी भी मांगी थी।

शिव सेना नेता ने लगाई फटकार, कहा- कोई सबक नहीं सीखा

क्लिप वायरल होने के बाद शिव सेना नेता प्रियंका चतुर्वेदी इसे नया सीजन मझकर भड़क गई हैं। उन्होंने लिखा है, कोई सबक नहीं सीखा गया। अब तो इन्हें इस तरह के घटिया और महिलाओं का अपमान करने वाले कंटेंट को 'ह्यूमर' के नाम पर दिखाने के लिए नेटफ्लिक्स और यूट्यूब का भी साथ मिल गया है। अब बस उनके Gen Z फैंस का इंतजार है, जो मेरे कमेंट्स में आकर बवाल मचाना शुरू करेंगे।

'इंडियाज गॉट लेटेंट'

विवाद की टाइमलाइन

- **8 फरवरी 2025 :** इंडियाज गॉट लेटेंट शो के छठे एपिसोड में गेस्ट जज के रूप में रणवीर अलाहबादिया, आशीष चंचलानी, अपूर्वा मखीजा और जसप्रीत सिंह शामिल हुए।
- **10-11 फरवरी 2025:** शो के दौरान रणवीर के एक आपत्तिजनक जोक का वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर विरोध शुरू हुआ।
- समय, रणवीर, आशीष, अपूर्वा और जसप्रीत के खिलाफ महाराष्ट्र, असम और राजस्थान जैसे राज्यों में FIR दर्ज की गई।
- **12 फरवरी 2025:** समय रैना ने शो के सभी एपिसोड यूट्यूब से हटा दिए।
- **14 फरवरी 2025:** रणवीर ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कई राज्यों में दर्ज FIRs को क्वाश या ट्रांसफर करने की मांग की गई।
- **18 फरवरी 2025:** राष्ट्रीय महिला आयोग ने मामले का संज्ञान लिया। दिल्ली पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए पत्र लिखा।
- सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। रणवीर को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी गई। उनके जोक पर कड़ी फटकार भी लगाई गई।
- **25 फरवरी 2025:** सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर के 'गंदे दिमाग' वाली सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने उन्हें सार्वजनिक माफी मांगने का आदेश दिया।
- **5 मार्च 2025:** सुप्रीम कोर्ट ने रणवीर को शर्तों के साथ उनका पॉडकास्ट फिर शुरू करने की अनुमति दी।
- **8 मार्च 2025:** आशीष को मुंबई की एक विशेष अदालत ने 50,000 रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दी।
- **24 मार्च 2025:** समय रैना नवी मुंबई स्थित साइबर सेल कार्यालय में बयान दर्ज कराने के लिए पेश हुए।
- **6 अप्रैल 2025:** असम में दर्ज FIR के सिलसिले में समय गुवाहाटी क्राइम ब्रांच के सामने पेश हुए और बयान दर्ज कराया।

कंगना रनौत ने किस कर काटे वीर दास के होंठ

दावे पर भड़कीं कंगना, कहा- नाम इस्तेमाल कर गंदी कल्पनाएं पूरी कर रही हैं

मुंबई। सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में जर्नलिस्ट सिमी चंडोक ने दावा किया है कि फिल्म रिवॉल्वर रानी की शूटिंग के दौरान किसिंग सीन में कंगना ने को-एक्टर वीर दास के होंठ काट लिए। महिला ने दावा किया है कि वीर दास आज भी इस सदमे को भूल नहीं सके हैं। पॉडकास्ट का वीडियो वायरल होने के बाद एक यूजर ने लिखा है कि वीर दास हर मुद्दे पर बोलते हैं।

क्या है महिला का पूरा दावा?

सिद्धार्थ कानन के पॉडकास्ट में जर्नलिस्ट सिमी चंडोक ने कहा, कंगना को क्यों भूल रहे हैं आप। जब वो रिवॉल्वर रानी शूट कर रही थी, पूछिए बेचारे वीर दास से। आप उसे आज भी पॉडकास्ट में बुलाएंगे तो वो अपने साथ हुए उस ट्रॉमा को याद कर रो पड़ेगा। रिवॉल्वर रानी के लिए उसे वीर दास को किस करना था। वो भूल गई। सीन खत्म हो गया, लेकिन वो तब भी किस करती रहीं। बेचारे (वीर दास) का लिप काटकर खूनाखून कर दिया उसको।

अमेरिका और ईरान एक-दूसरे पर हमले रोकने पर राजी

आज कतर में फिर बातचीत होगी, होर्मुज से जहाजों का निकलना जारी रहेगा

सहमति

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान ने फिलहाल एक-दूसरे पर सैन्य हमले रोकने पर सहमति जताई है। दोनों देशों के बीच पिछले 3 दिनों से हमले जारी थे। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान में 17 जून को हुए समझौते (MoU) के सभी बिंदुओं पर बातचीत जारी रहेगी। इसी सिलसिले में मंगलवार को कतर में दोनों देशों के प्रतिनिधि तकनीकी स्तर की वार्ता करेंगे। समझौते के तहत होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों की आवाजाही नहीं रोकी जाएगी। हाल के दिनों में इसी जलमार्ग को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था। अमेरिका ने ईरान के मिसाइल और रडार ठिकानों पर कार्रवाई की थी, जबकि ईरान ने जवाब में कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को

निशाना बनाया था। इसके बाद दोनों देशों ने फिलहाल सैन्य कार्रवाई रोककर बातचीत के जरिए समाधान तलाशने पर सहमति जताई है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट पर ईरान का प्रभाव लगातार कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि जहाजों से शुल्क वसूलने के ईरान के प्रस्ताव को अंतरराष्ट्रीय समर्थन नहीं मिला और इस मुद्दे पर तेहरान पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में वॉल्ट्ज ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और सऊदी अरब ऐसी तेल पाइपलाइन का विस्तार कर रहे हैं, जो होर्मुज स्ट्रेट से होकर नहीं गुजरती। इससे ईरान का दबाव बनाने का असर कम होगा। वॉल्ट्ज ने दावा किया कि चीन भी होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर शुल्क लगाने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि ओमान ने इस व्यवस्था के लिए जरूरी ढांचा तैयार करने में ईरान का साथ देने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी राजदूत ने कहा कि अगर ईरान अपना रवैया नहीं बदलता तो वह पूरी तरह बर्बादी के रास्ते पर जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का धैर्य हमेशा नहीं रहेगा। इजराइल ने दावा किया है कि अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जंग शुरू होने के बाद ईरान की ओर से साइबर हमलों में भारी बढ़ोतरी हुई है।

ईरान के बंदर अब्बास में महंगाई बढ़ी, लोगों का गुजारा मुश्किल

अमेरिका-ईरान युद्ध का असर अब आम लोगों की जिंदगी पर भी दिखने लगा है। ईरान के प्रमुख बंदरगाह शहर बंदर अब्बास में जरूरी सामानों की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर सुबह नए दामों के साथ दिन शुरू होता है, जिससे घर का खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। होर्मुज स्ट्रेट के किनारे बसे इस शहर में मछुआरे सुरक्षा कारणों से समुद्र में जाने से डर रहे हैं। ऑटो रिपेयर का काम करने वाले लोगों का कहना है कि स्पेयर पार्ट्स और अन्य सामानों की कीमतें रोज बढ़ रही हैं।

पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स ...

- **अमेरिका का ईरान पर हमला:** अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन ईरान पर हवाई हमले किए। इस दौरान किश्म द्वीप, सिरिक और बंदर-ए-लेंगेह को निशाना बनाया गया। इसके बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य टिकानों पर हमले किए।
- **ईरान बोला- 30 दिन तक होर्मुज हमारे कंट्रोल में:** ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगले 30 दिनों तक होर्मुज पूरी तरह ईरान के नियंत्रण में रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अमेरिका ने आगे हमला किया तो हालात और ज्यादा गंभीर हो जाएंगे।
- **ट्रम्प ने ईरान को धमकी दी:** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अगर ईरान नहीं सुधरा तो उसका अस्तित्व नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिका अपने शुरू किए गए सैन्य अभियान को पूरी तरह अंजाम तक पहुंचाएगा।
- **ईरान बोला अमेरिका को नुकसान उठान पड़ेगा:** ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने कहा कि आने वाले दिनों में क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य टिकानों को भारी नुकसान उठाना पड़ेगा।

बजाज पल्सर एन125 भारत में बंद हुई

लॉन्च के 2 साल के भीतर कंपनी ने फैसला लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

बजाज ऑटो ने भारत में अपनी पल्सर N125 बाइक को बंद कर दिया है। अक्टूबर 2024 में लॉन्च हुई यह बाइक भारतीय बाजार में दो साल भी पूरे नहीं कर पाई। कंपनी ने देश के डीलर्स को इसकी सप्लाई बंद कर दी है। कम बिक्री के कारण कंपनी ने इसे भारतीय बाजार से हटाने का फैसला किया। बजाज ऑटो का इतिहास रहा है कि जो बाइक्स पर्याप्त संख्या में नहीं बिकती हैं, उन्हें कंपनी बंद कर देती है। पल्सर N125 इसका नया उदाहरण है। हालांकि, बाइक अभी भी बजाज की भारतीय वेबसाइट पर दिखाई दे रही है। इस बाइक का पतला और फैला हुआ लुक भारतीय ग्राहकों को पसंद नहीं आया। इसके मुकाबले बाजार में मौजूद दूसरी बाइक्स जैसे हीरो एक्सट्रीम 125R और होंडा CB125 हॉरनेट काफी लोकप्रिय हैं।

ये बाइक्स अपनी वास्तविक क्षमता से ज्यादा बड़ी और स्पोर्टी दिखती हैं, जो ग्राहकों को आकर्षित करती हैं। भारत में बंद होने के बावजूद पल्सर N125 का सफर पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। कंपनी इस बाइक को कई विदेशी बाजारों में बेचना जारी रखेगी। इनमें नेपाल, पेरू, कोलंबिया और मोरक्को जैसे देश शामिल हैं। हालांकि, बदले हुए लुक और ज्यादा फीचर्स के साथ यह बाइक या इसका प्लेटफॉर्म भविष्य में भारत में वापसी करेगा या नहीं, यह अभी साफ नहीं है।

फास्ट न्यूज

सेंसेक्स में 350 अंक की गिरावट

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 29 जून को गिरावट है। सेंसेक्स करीब 350 अंक की गिरावट के साथ 76,750 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 100 अंक की गिरावट है, ये 24,000 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, IT और मेटट शेयर्स में ज्यादा बिकवाली है। इससे पहले गुरुवार, 25 जून को बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 109 अंक की बढ़त के साथ 77,100 पर बंद हुआ था।

सैन्य ऑपरेशन में छर्रे लगने से एक व्यक्ति की मौत

दोहा। कतर के आंतरिक मंत्रालय ने रविवार को बताया कि एक कतरी नागरिक की छर्रे लगने से मौत हो गई है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब वह व्यक्ति एक अन्य साथी के साथ नाव पर सवार था और उनकी नाव अचानक लापता हो गई थी। मंत्रालय के अनुसार, इस नागरिक की जान इलाके में चल रहे सैन्य अभियानों के कारण लगे छर्रों से गई है। इस घटना में नाव पर सवार दूसरा व्यक्ति भी घायल हुआ है। मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को शुरू किए गए सघन खोज अभियान के बाद, रविवार तड़के इस लापता नाव का पता लगा लिया गया।

फ्रांस में पैराशूट स्कूल का प्लेन क्रैश

नई दिल्ली। पूर्वी फ्रांस के टॉम्बलाइन में रविवार सुबह एक पैराशूटिस्ट स्कूल का सिविलियन एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। हादसे में विमान में सवार सभी 11 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वालों में 5 स्टूडेंट्स, 5 ट्रेनर और पायलट शामिल हैं। म्यूर्थ-ए-मोजेल इलाके के प्रशासनिक अधिकारी (प्रीफेक्ट) यवेस सेगुई ने बताया कि विमान ने नैन्सी-एस्से एयरोड्रोम से उड़ान भरी थी।

चांदी ₹5,059 बढ़कर ₹2.22 लाख किलो पर पहुंची

24 कैरेट सोना ₹2,038 महंगा होकर 1.42 लाख हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में 29 जून को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 1 किलो आज चांदी 5,059 रुपए बढ़कर 2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 2,038 रुपए महंगा होकर 1.42 लाख रुपए आ गया है। इससे पहले यह 1.40 लाख पर था। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 9 हजार रुपए महंगा हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.42 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.22 लाख रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 8 हजार रुपए कम हुई है।

असली चांदी की पहचान करने के 4 तरीके

- **मैग्नेट टेस्ट:** असली सिल्वर चुंबक से नहीं चिपकती। अगर चिपक जाए तो फेक है।
- **आइस टेस्ट:** सिल्वर पर बर्फ रखें। असली सिल्वर पर बर्फ तेजी से पिघलती है।
- **स्मेल टेस्ट:** असली सिल्वर में गंध नहीं होती। फेक में कॉपर जैसी गंध आती है।
- **क्लॉथ टेस्ट:** चांदी को सफेद कपड़े से रगड़ें। अगर काला निशान आए तो असली है।

टीटीपी कमांडर समेत 29 आतंकी मारे, एक दिन पहले कराची में आतंकी हमला हुआ था

पाकिस्तान का दावा : अफगानिस्तान में तीन ठिकानों पर हमले किए

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में तीन ठिकानों पर अटैक करने का दावा किया है। पाकिस्तान के मुताबिक, पहले खैबर पख्तूनख्वा के बाजौर जिले में जमीनी ऑपरेशन किया गया। इसके बाद सीमा पार अफगानिस्तान के भीतर तीन आतंकियों के ठिकानों पर हमले किए गए। इन हमलों में 29 आतंकियों को मार गिराया हैं। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने X पर लिखा- यह ऑपरेशन देश में हाल के आतंकी हमलों के जवाब में किया गया। इसमें जमात-उल-अहरार और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (TTP) के ठिकानों को निशाना बनाया गया। TTP का कमांडर खान फरोश भी मारा गया। इससे एक दिन पहले पाकिस्तान के कराची में सिंध रेंजर्स के हेडकॉर्टर पर हथियारों और विस्फोटकों से लैस आतंकियों ने हमला किया था। इसमें चार रेंजर्स जवान मारे गए थे। वहीं, छह हमलावर मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी जमात-उल-अहरार ने ली थी। 2001 में अमेरिका के अफगानिस्तान पर हमले के बाद पाकिस्तान ने अमेरिका का साथ दिया। इससे TTP नाराज हो गया, वह इसे इस्लाम के खिलाफ मानता था।

बाजौर में 4, अफगानिस्तान में 25 आतंकी मारे

अताउल्लाह तरार ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने पर बाजौर जिले में ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें खान फरोश समेत चार आतंकी मारे गए। खैबर पख्तूनख्वा का बाजौर, अफगानिस्तान से लगा जिला है। इसके बाद अफगानिस्तान के पक्तिया, पक्तिका और कुनार प्रांतों में तीन अलग-अलग ठिकानों पर हमले किए गए। वहां 25 आतंकी मारे गए। इन ठिकानों पर रखा हथियार और गोला-बारूद भी नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तान बोला- नागरिकों की सुरक्षा से समझौता नहीं करेंगे

तरार ने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की कोशिश करता रहा है, लेकिन अपने नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा।

पाकिस्तान पिछले साल से अफगान सीमा और उसके भीतर कई बार हमले कर चुका है। उसका कहना है ये हमले TTP और दूसरे आतंकी संगठनों के ठिकाने किए गए हैं। पाकिस्तान लंबे समय से आरोप लगाता रहा है कि अफगानिस्तान की तालिबान सरकार TTP के आतंकियों को पनाह देती है।

चीन से होड़ में ट्रंप, सुरक्षा की अनदेखी से साइट पर 8,000 वर्कर्स को खतरा

टेक्सास डेटा सेंटर, 47 लाख करोड़ का प्रोजेक्ट

एबिलीन, एजेंसी

दुनिया की एआई रेस अब सिर्फ टेक कंपनियों और सुपरपावर देशों की लड़ाई नहीं रही। इसकी कीमत निर्माण साइटों पर काम कर रहे वर्कर्स भी चुका रहे हैं।

अमेरिका के टेक्सास स्थित एबिलीन में बन रहा स्टारगेट डेटा सेंटर 500 अरब डॉलर (47.18 लाख करोड़ रुपए) का मेगा एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है। इसे ओपन-एआई, ओरेकल और सॉफ्टबैंक जैसे दिग्गज मिलकर बना रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसे अमेरिका की एआई ताकत का बड़ा दांव बता चुके हैं। मकसद है चीन को एआई रेस में पीछे छोड़ना। लेकिन टाइम

की ग्राउंड पड़ताल इस चमकदार प्रोजेक्ट की दूसरी तस्वीर दिखाती है। रिपोर्ट के मुताबिक तेजी से निर्माण की इस अंधी दौड़ में मजदूरों की जान और सुरक्षा को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। प्रोजेक्ट साइट पर 8,000 मजदूरों के साथ कई हादसे सामने आए हैं। ओशा रिकॉर्ड्स संस्था के मुताबिक 2025 में कई मजदूरों की टांगों में फ्रैक्चर हुआ। एक मजदूर एक्सकेवेटर के नीचे दबा। एक सीढ़ी से गिरा। एक पर 1,400 पाउंड वजन वाले कांच के पैनल गिर गए। एक मजदूर पोर्टा-पॉटी में मृत मिला। दिसंबर 2024 से साइट से 911 पर 14 इमरजेंसी कॉल दर्ज हुईं। इनमें चोट, हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और हार्ट अटैक जैसी मेडिकल इमरजेंसी शामिल थीं। इस प्रोजेक्ट पर काम कर रहीं दो ठेकेदार कंपनियों पर अदालत में मुकदमे चल रहे हैं। ग्राउंड जीरो से खुलासा... वर्कर्स को पानी और पंखे तक के लिए 'लग्जरी' बता तरसाया गया वर्कर्स ने साइट के अंदर के हालात को काफी कठिन बताया।

3 मामलों से समझें... रफ्तार में नियम कैसे छूटे

- *केस 1 – ट्रक ड्राइवर डेनियल गोंजालेज बिजली उपकरणों वाला कंक्रीट बॉक्स उतार रहे थे। शोर में कम्युनिकेशन कमजोर था, वॉकी-टॉकी नहीं थे। तभी ऊपर से फेंकी गई चेन उनके सिर पर लगी। वे बेहोश हो गए। उन्होंने मुकदमा दायर किया है।*
- *केस 2 – 23 मई 2025 को एक मजदूर मिनी एक्सकेवेटर को रास्ता दिखा रहा था। जरूरी सुरक्षा न होने से वह ट्रैक के नीचे दब गया। उसके टखने और रीड की हड्डी में फ्रैक्चर हुआ। ओशा रिकॉर्ड्स संस्था ने पाया कि मजदूर को ट्रेनिंग नहीं दी गई थी।*
- *केस 3 – एक कर्मचारी कांच के पैनल खोल रहा था। तभी 650 किलो वजन के तीन पैनल उसके पैर पर गिर पड़े। जांघ की हड्डी टूट गई और कई सर्जरी करानी पड़ी। जांच में माना गया कि उस कर्मी को काम जल्दी खत्म करने का दबाव था।*

सऊदी अरब में हेलिकॉप्टर क्रैश, 14 लोगों की मौत

हेलिकॉप्टर दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का था

नई दिल्ली, एजेंसी

सऊदी अरब के रास तनुरा में रविवार को दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। हादसे में हेलिकॉप्टर सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। सऊदी प्रेस एजेंसी (SPA) के मुताबिक, हेलिकॉप्टर में सवार सभी लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। हालांकि, क्रैश की वजह की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं। सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है।

यह सऊदी अरब सरकार के स्वामित्व में है। इसकी स्थापना

1933 में अमेरिकी कंपनियों के साथ समझौते के तहत हुई थी। 1980 में यह पूरी तरह सऊदी सरकार के नियंत्रण में आ गई। कंपनी का मुख्यालय धहरान में स्थित है।

अरामको के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों में से एक है और यह प्रतिदिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है, जिससे यह वैश्विक ऊर्जा बाजार की प्रमुख आपूर्तिकर्ता बन गई है। सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था काफी हद तक इसी कंपनी की आय पर निर्भर करती है। अरामको केवल कच्चे तेल का उत्पादन ही नहीं करती, बल्कि रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल्स और प्राकृतिक गैस के क्षेत्र में भी सक्रिय है।

इसके नियंत्रण में दुनिया का सबसे बड़ा पारंपरिक तेल क्षेत्र, गवार, भी आता है। 2019 में कंपनी ने शेयर बाजार में अपना आईपीओ लॉन्च किया, जिसे इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ माना गया।

हाल के वर्षों में अरामको रिन्यूबल एनर्जी, हाइड्रोजन और कार्बन कैप्चर जैसी तकनीकों में निवेश बढ़ा रही है।

विवाद : पहले धक्का-मुक्की, फिर बीच रोड पर लात-घूंसे और थप्पड़ चले, वीडियो सामने आया

पंजाबी युवक ने अमेरिकन दंपति को पीटा

जालंधर, एजेंसी

पंजाब के युवक और अमेरिकन दंपति के बीच हुए झगड़े का वीडियो सामने आया है। अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में नस्लीय टिप्पणी को लेकर लात-घूंसे और थप्पड़ चले। वीडियो में पहले महिला-पुरुष एक युवक से बहस करते दिखते हैं। इस बीच एक पंजाबी युवक बीच में आता है और कुछ देर तक महिला-पुरुष को समझाता है। नहीं समझने पर पहले पंजाबी में ही गाली देता और फिर रोड के बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। इस बीच पंजाबी युवक का दूसरा साथी भी बाहर निकल आता है और महिला और पुरुष के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो जाती है। कार से निकला पंजाबी युवक अचानक एग्रेसिव हो जात है और अमेरिकन व्यक्ति को एक के बाद एक कई थप्पड़ जड़ देता है। बीच बचाव के लिए जब स्थानीय व्यक्ति की पत्नी आती है, तो उसे भी धक्के मारे जाते हैं और भाग जाने के लिए कहा जाता है। इस बीच स्थानीय व्यक्ति पंजाबी युवक को कहा कि वह उसकी पत्नी के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं कर सकते है, इसके बाद फिर से पंजाबी युवक उसे थप्पड़ जड़ देता है। न्यूयार्क सिटी में बीच रोड चले थप्पड़ों पर बहुत से इंस्टा यूजर्स ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

किसी ने पंजाबी को बहादुर बताया तो कुछ लोगों ने लिखा कि अमेरिकन व्यक्ति से ज्यादा तो उसकी पत्नी फाइटर निकलनी, जिसने कम से कम युवकों को रोकने का प्रसाय तो किया।

अमेरिका के न्यूयार्क में रोड पर पंजाबी और स्थानीय निवासी लड़ते हुए।

कार के साप खड़े लोग, इस दौरान युवक ने महिला से मारपीट की।

जिम के बाहर हुआ झगड़ा

घटना रविवार देर शाम की है। जिसका वीडियो इंस्टाग्राम पर @KDADY अकाउंट से अपलोड किया गया है। घटना को न्यूयार्क सिटी के आरेंज जिम के बाहर का बताया है। लेकिन उसने घटना के पीछे का पूरा कारण नहीं बताया। न्यूयार्क पुलिस के पास ये मामला नहीं गया है। इसके चलते दोनों ही पक्षों के नाम सामने नहीं आए है और न ही ये पता चल पाया है कि दोनों कहां के रहने वाले हैं। एक यूजर ने लिखा कि कम से कम वीडियो शूट करने वाले को शर्म करनी चाहिए थी और इन लोगों के झगड़े को रोकना चाहिए था।

जुलाई में 12 दिन बैंकों में काम नहीं होगा

4 रविवार और 2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 6 दिन बैंक बंद रहेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले महीने यानी जुलाई में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 12 दिन बैंक बंद रहेंगे। 4 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 6 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा। ऐसे में अगर आपको इस महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा। इसके चलते दोनों ही पक्षों के नाम सामने नहीं आए है और न ही ये पता चल पाया है कि दोनों कहां के रहने वाले हैं। एक यूजर ने लिखा कि कम से कम वीडियो शूट करने वाले को शर्म करनी चाहिए थी।

रविवार की छुट्टी कब-कब रहेगी?

- 5 जुलाई
- 12 जुलाई
- 19 और 26 जुलाई

किस-किस शनिवार को बैंक बंद रहेंगे?

- 11 जुलाई को महीने का दूसरा शनिवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे।
- 25 जुलाई को महीने का चौथा शनिवार है, इस दिन भी देश के सभी बैंकों की छुट्टी रहेगी।

तमसा संकेत

tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676